राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार,09अगस्त2020 वर्ष-3, अंक -194 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गंदगी भारत छोड़ो मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र का किया उद्घाटन, 'गंदगी भारत छोड़ो का दिया नारा'

नई दिल्ली।

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यहां राजघाट के समीप स्थित 'राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने नया नारा दिया 'गंदगी भारत छोड़ो'। आज का दिन बहुत ऐतिहासिक है। देश की आजादी में आज की तारीख यानि 8 अगस्त का बहुत बड़ा योगदान है। आज के ही दिन, 1942 में गांधी जी की अगुवाई में आज़ादी के लिए एक विराट जनांदोलन शुरू हुआ था, अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा लगा था। आज का दिवस हिन्दुस्तान के इतिहास में अंग्रेजों भारत छोड़ो का है, हम अभियान चला रहे हैं %गंदगी भारत छोड़ो%। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे ऐतिहासिक दिवस पर, राजघाट के समीप, राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र का लोकार्पण अपने आप में बहुत प्रासंगिक है। ये केंद्र, बापू के स्वच्छाग्रह के प्रति 130 करोड़ भारतीयों की श्रद्धांजलि है, कार्यांजलि है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र, गांधी जी के स्वच्छाग्रह और उसके लिए समर्पित कोटि-कोटि भारतीयों के विराट संकल्प को एक जगह समेटे हुए है। इस केंद्र में सत्याग्रह की प्रेरणा से स्वच्छाग्रह की हमारी यात्रा को आधुनिक टेक्नॉलॉजी के माध्यम से दर्शाया गया है, दिखाया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि गांधी जी कहते थे ÷स्वराज सिर्फ साहसी और स्वच्छ जन ही ला सकते हैं।÷ स्वच्छता और स्वराज के बीच के रिश्ते को लेकर गांधी जी इसलिए आश्वस्त थे क्योंकि उन्हें विश्वास था कि गंदगी अगर सबसे ज्यादा नुकसान किसी का करती है, तो वो गरीब है। जबतक जनता में आत्मविश्वास पैदा नहीं होता, तबतक वो आजादी के लिए खड़ी कैसे हो सकती था? इसलिए, साउथ अफ्रीका से लेकर चंपारण और साबरमती आश्रम तक, उन्होंने स्वच्छता को ही अपने आंदोलन का बड़ा माध्यम बनाया।

महात्मा गांधी को समर्पित राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र (आरएसके) की प्रधानमंत्री ने सबसे पहले घोषणा 10 अप्रैल 2017 को गांधीजी के चम्पारण 'सत्याग्रह के 100 वर्ष पूरे होने के मौके पर की थी। यह स्वच्छ भारत मिशन पर एक परस्पर संवादात मक (इंटरैक्टिव) अनुभव केंद्र होगा। आरएसके पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री ने वहां स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर

पुष्पांजलि अर्पित की और केंद्र का अवलोकन किया। आरएसके में स्थित सभागार में प्रधानमंत्री ने 'दर्शक 360 डिग्री% का अनूठा ऑडियो-विजुअल कार्यक्रम देखा, जिसमें भारत की स्वच्छता की कहानी यानी दुनिया के इतिहास में लोगों की आदतों में बदलाव लाने वाले सबसे बड़े अभियान की यात्रा दिखाई गई।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर निशाना, जब जब देश भावुक हुआ, फ़ाइलें ग़ायब हुईं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से विजय माल्या केस में फाइलें गायब होने पर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जब जब देश भावुक हुआ, फ़ाइलें ग़ायब हुईं। माल्या हो या राफ़ेल, मोदी या चोक्सी... गुमशुदा लिस्ट में लेटेस्ट हैं चीनी अतिक्रमण वाले दस्तावेज़। राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा कि जब जब देश भावुक हुआ, फ़ाइलें ग़ायब हुईं। माल्या हो या राफ़ेल, मोदी या चोक्सी... गुमशुदा लिस्ट में लेटेस्ट हैं चीनी अतिक्रमण वाले दस्तावेज़। ये संयोग नहीं, मोदी सरकार का लोकतंत्र-विरोधी प्रयोग है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में विजय माल्या केस से जुड़ी फाइलें गायब होने का मामला सामने आया, जिसके बाद सुनवाई को 20 अगस्त तक के लिए टाल दिया गया। बता दें कि भगोड़े शराब कोरोबारी विजय माल्या केस सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई नहीं हो सकी। दरअसल, माल्या के केस से जुड़े दस्तावेज फाइल से गायब होने के कारण शीर्ष अदालत को यह सुनवाई टालनी पड़ी। माल्या इस समय लंदन में रह रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के उल्लंघन के कारण सुप्रीम कोर्ट की अवमानना मामले में विजय माल्या की पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई बीस अगस्त के लिए टाल दी गई है। तीन साल पहले माल्या ने पुनर्विचार याचिका दायर की थी जो सुनवाई के लिए अब लिस्ट हुई। माल्या 2017 में सुप्रीम कोर्ट की अवमानना का दोषी ठहराया गया था।

विमान हादसे में मरने वालों का ब्योरा जारी, हरदीप सिंह पुरी ने कोझिकोड पहुंचकर हालातों का लिया जायजा

नेशनल डेस्क। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को उस कोझिकोड एयरपोर्ट का दौरा किया जो शुक्रवार को हुए दर्दनाक हादसे का गवाह बना। इस हादसे में दो पायलटों समेत 18 लोगों की मौत हो गई। पुरी हालात और राहत उपायों का जायज़ा लेने के लिए कोझिकोड पहुंचे। नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया कि अंतरिम राहत के रूप में हम प्रत्येक मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को 2 लाख रुपये और मामूली चोटों वालों को 50,000 रुपये का भुगतान करेंगे। वरिष्ठ मंत्री अधिकारियों और पेशेवरों के साथ विचार-विमर्श करेंगे वहीं केरल में मलप्पुरम के जिलाधिकारी के. गोपालकृष्णन ने एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण मारे गये 18 यात्रियों के नाम और विवरण शनिवार को जारी किये। मृतकों के नाम, उम्र और निवास स्थान का ब्योरा इस प्रकार है।

...तो योगी को मस्जिद शिलान्यास का न्योता देने की हो रही तैयारी

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड द्वारा अयोध्या में मस्जिद तथा अन्य निर्माण के लिए गठित ट्रस्ट उच्चतम न्यायालय के आदेश पर वक्फ बोर्ड को मिली जमीन पर बनने वाली जन सुविधाओं के शिलान्यास के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित करेगा। इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट के सचिव और प्रवक्ता अतहर हुसैन ने शनिवार को बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर अयोध्या जिले के धन्नीपुर गांव में वक्फ बोर्ड को मिली पांच एकड़ जमीन पर अस्पताल, लाइब्रेरी, सामुदायिक रसोईघर और रिसर्च सेंटर बनाया जाएगा। यह सभी चीजें जनता की सुविधा के लिए होंगी और जनता को सहूलियत देने का काम मुख्यमंत्री का होता है। इसी हैसियत से इनके शिलान्यास के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम में न सिर्फ शिरकत करेंगे, बल्कि इन जन सुविधाओं के निर्माण के लिए सहयोग भी करेंगे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को एक निजी टीवी चैनल को दिये गये साक्षात्कार में अयोध्या में मस्जिद के शिलान्यास कार्यक्रम में शिरकत किए जाने की संभावना संबंधी सवाल पर कहा था कि ना तो उन्हें बुलाया जाएगा और ना ही वह जाएंगे। उन्होंने कहा था, अगर आप एक मुख्यमंत्री की हैसियत से यह सवाल पूछ रहे है तो मुझे किसी धर्म, मान्यता या समुदाय से कोई परहेज नहीं है लेकिन अगर आप मुझसे एक योगी के रूप में पूछ रहे है तो मैं हरगिज नही जाऊंगा, क्योंकि एक हिन्दू के रूप मुझे अपनी उपासना विधि का पालन करने का अधिकार है। मुख्यमंत्री ने कहा था, मैं न तो वादी हूं और न ही प्रतिवादी, इसलिये न तो मुझे बुलाया जायेगा और न ही मैं जाऊंगा। मुझे मालूम है कि मुझे इसका निमंत्रण नही मिलेगा। इस सवाल पर कि क्या योगी मस्जिद की आधारशिला भी रखेंगे, हुसैन ने कहा कि इस्लाम के सभी चार विचार केंद्रों हनफी, हम्बली, शाफई और मालिकी में से किसी में भी मस्जिद की नींव रखने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने का प्रावधान नहीं है, लिहाजा इस सवाल का कोई आधार नहीं बनता। क्या धन्नीपुर गांव में बनने वाली मस्जिद का नाम बाबरी मस्जिद रखा जाएगा, इस सवाल पर ट्रस्ट के सचिव ने कहा कि ऐसा कोई विचार नहीं है और ट्रस्ट द्वारा बनवाई जाने वाली किसी भी इमारत का अभी तक कोई नाम तय नहीं किया गया है। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि मस्जिद-ए-नबवी और कुछ अन्य गिनी चुनी मस्जिदों को छोड़कर बाकी किसी भी मस्जिद का नाम मायने नहीं रखता। अल्लाह के नजर में मस्जिद में किए गए सजदे ही मायने रखते हैं, बाकी सब बेमानी है।

गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने गत 9 नवंबर को अपने फैसले में अयोध्या के विवादित स्थल पर राम मंदिर का निर्माण कराने और उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को मस्जिद के निर्माण के लिए अयोध्या में किसी प्रमुख स्थान पर 5 एकड़ जमीन देने का आदेश जारी किया था। बोर्ड ने इस जमीन पर मस्जिद के अलावा इंडो इस्लामिक रिसर्च सेंटर, एक अस्पताल, कम्युनिटी किचन, पुस्तकालय और म्यूजियम बनाने का फैसला किया था।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान के सियासी ड्रामे में नया मोड़, फूट के डर से भाजपा ने विधायकों को भेजा गुजरात

नेशनल डेस्क। राजस्थान में जारी राजनीतिक घटनाक्रम के बीच भारतीय जनता पार्टी के दर्जन भर विधायक गुजरात चले गए हैं। हालांकि पार्टी के नेताओं ने अपने विधायकों को किसी एक जगह जगह रखकर बाड़ेबंदी करने जैसी किसी स्थिति से इनकार किया है। मीडिया में आयी खबरों के अनुसार, भाजपा के 12 से अधिक विधायक गुजरात गए हैं। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि सभी विधायकों को जानकारी है कि जल्द ही विधायक दल की बैठक होने वाली है, और सभी उसमें शामिल होंगे। पूनियां के अनुसार बाड़ाबंदी का शब्द कांग्रेस के लिए ही उचित है। उन्होंने कहा कि भाजपा के 12 लोग या कुछ लोग कहीं घूमने चले गए तो वह इतना बड़ा मुद्दा हो गया? उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी की मौजूदा सरकार के लोग सोशल मीडिया और अन्य मंचों पर भाजपा विधायकों के बारे में अफवाह और भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन हमारा विधायक दल पूरी तरह से एक है। हमारा किसी पर अविश्वास नहीं है सबलोग एकजुट हैं। वहीं उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि भाजपा के अगर पांच-दस विधायक साथ मिलकर कहीं घूमले चले गए हैं तो उसे बाड़ाबंदी की संज्ञा नहीं दी जा सकती। भाजपा बाड़ाबंदी की संस्कृति से दूर रहने वाली पार्टी है उस पर ऐसे आरोप निराधार हैं। हालांकि, राठौड़ ने विधायकों के बाहर जाने की जानकारी होने से इनकार किया। उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा का सत्र 14 अगस्त से होना है। कांग्रेस के अशोक गहलोत खेमे के विधायक और सरकार का साथ देने वाले अन्य विधायक जैसलमेर के एक होटल में रुके हैं वहीं पार्टी से बागी हुए सचिन पायलट खेमे के 18 विधायकों के हरियाणा में होने की सूचना है।

संघ प्रमुख का भोपाल प्रवास बना राजनीति का केंद्र, मिशन 27 को लेकर सरगर्मियां तेज

भोपाल। राम मंदिर निर्माण के शुभ भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के राजधानी प्रवास से मध्य प्रदेश की राजनीतिक गर्मी बढ़ गई है। सूत्रों के मुताबिक पिछली बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचार मंथन बैठक कोरोना संक्रमण के कारण अधूरी रह गई थी। संघ के सभी आयामों पर जो चर्चा होनी थी, नहीं हो पाई। ऐसे में इस बार संघ पदाधिकारियों के प्रवास का बड़ा टाइट शेड्यूल तय किया गया है। राम मंदिर भूमि पूजन के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अब जोरदार तरीके से परम पवित्र भगवा लक्ष्य को साधने के लिए पूरे उत्साह में है। जानकारी है की संघ के परम पूज्य डॉ.भागवत इसी भगवाधारी विचारधारा के तहत भगवाधारी नेताओं से वन टू वन चर्चा करेंगे। इसी कड़ी में भोपाल सांसद साध्वी राम मंदिर भूमि पूजन में उमा भारती और जयभान सिंह पवैया की मौजूदगी और इनकी मध्यप्रदेश में सक्रियता बढ़ने से भाजपा की राजनीति में जोरदार हलचल है।

चीनी अतिक्रमण का उल्लेख करने वाली रिपोर्ट से धूमिल हुई राजनाथ सिंह की छविः चिदंबरम

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने शुक्रवार को कहा कि चीन द्वारा 'अतिक्रमण किए जाने का उल्लेख करने वाली रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की छवि धूमिल हुई है। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को सरकार से पूछा था कि पूर्वी लद्दाख में चीनी 'अतिक्रमण का उल्लेख करने वाली रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट को क्यों हटा लिया गया। रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट पर डाले गए दस्तावेज को मीडिया की एक खबर सामने आने के बाद बृहस्पतिवार सुबह हटा लिया गया था। उक्त खबर रक्षा मंत्रालय की उस रिपोर्ट पर आधारित थी। चिदंबरम ने ट्वीट में कहा, कोई राजनाथ सिंह को रक्षा मंत्रालय से हटाना चाहता है! वरना रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट पर भारतीय क्षेत्र में चीनी अतिक्रमण का सच क्यों डाला जाता? चिदंबरम ने लिखा, उस एक बयान ने राजनाथ सिंह की छवि खराब कर दी (लोग पूछते हैं कि क्या मंत्रालय और सेना खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करने में विफल रहे ।

गिरीश चंद्र मुर्मू ने संभाला सीएजी का कार्यभार, पीएम मोदी की मौजूदगी में ली पद की शपथ

नेशनल डेस्क। गिरीश चंद्र मुर्मू ने शनिवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) पद की शपथ ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने श्री मुर्मू को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुर्मू देश के 14वें कैग प्रमुख हैं। उन्होंने राजीव महर्षि के स्थान पर यह जिम्मेदारी संभाली है। मुर्मू ने ईश्वर के नाम पर हिंदी में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत अन्य गणमान्य उपस्थित थे। ओडिशा के मयूरभंज में 21 नवंबर 1959 को जन्में मुर्मू 1985 बैच के गुजरात से भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने पिछले साल उन्हें केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का पहला उपराज्यपाल नियुक्त किया था। वह इस पद पर पिछले साल 31 अक्टूबर को नियुक्त हुए और इस साल पांच अगस्त तक रहे। प्रधानमंत्री के भरोसेमंद नौकरशाह मुर्मू, श्री मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान उनके प्रधान सचिव की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं।

राहुल गांधी ने 'करो या मरो को दिए नए मायने, बोले- अन्याय के खिलाफ डरो मत लड़ो

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह कभी कोरोना संकट तो कभी देश की बिगड़ती अर्थव्यवस्था पर अपनी राय रखते रहते हैं। अब इस बार उन्होंने 'भारत छोड़ो आंदोलन को लेकर अपनी राय रखी। राहुल गांधी ने शनिवार को 'भारत छोड़ो आंदोलन की 78वीं वर्षगांठ पर कहा कि अब महात्मा गांधी के नारे 'करो या मर को 'अन्याय के खिलाफ लड़ो, डरो मत के रूप में नए मायने देने होंगे। उन्होंने ट्वीट किया कि भारत छोड़ो आंदोलन की 78वीं वर्षगांठ पर गांधीजी के 'करो या मरो के नारे को नए मायने देने होंगे। अन्याय के ख़िलाफ़ लड़ो, डरो मत। राहुल ने 'भारत छोड़ो आंदोलन की तस्वीर भी शेयर की जिसमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। महात्मा गांधी ने आठ अगस्त 1942 को उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की थी। महात्मा गांधी एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। महात्मा गांधी

ने आठ अगस्त 1942 को उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की थी।

बाबा रामदेव को उच्च न्यायालय से बड़ी राहत, कोरोनिल को लेकर दायर जनहित याचिका खारिज

नैनीताल। कोरोनिल मामले को लेकर घिरे योगगुरू बाबा रामदेव को शुक्रवार को उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने कोरोनिल को लेकर दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया। साथ ही याचिकाकर्ता पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रवि कुमार मलिमथ एवं न्यायमूर्ति एनएस धनिक की युगलपीठ में इस मामले में सुनवाई हुई। कोर्ट ने माना कि अधिवक्ता ने अदालत में गलत तथ्य पेश किए हैं और वह अपनी बात को साबित करने में अक्षम रहा है। अदालत ने इस मामले में याचिकाकर्ता पर 25 हजार का जुर्माना लगाया है। वहीं अधिवक्ता मनी कुमार की ओर से पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड को इस मामले में पक्षकार बनाया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से कोरोनिल पर प्रतिबंध लगाने एवं पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई थी। साथ ही केन्द्र सरकार, निदेशक, आयुष मंत्रालय, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), उत्तराखंड सरकार एवं नेशनल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइसेंज (निम्स) जयपुर को पक्षकार बनाया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ की ओर से विगत 24 जून को कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए कोरोनिल नामक दवाई ईजाद करने का दावा किया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड की ओर से कोरोना की जिस दवाई को बनाने का दावा किया गया है, वह गलत है। उसके पास दवाई निर्माण के लिए किसी प्रकार का कोई लाइसेंस नहीं है। कंपनी ने केन्द्र, राज्य एवं आयुष विभाग से इसके लिए लाइसेंस नहीं लिया गया है। ओर से भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) को भी विश्वास में नहीं लिया गया है।

कश्मीर पर बौखलाया पाकः कुरैशी ने मोदी को पाक में रैली का दिया चैलेंज, कहा- हिम्मत है तो कबूल करो

इस्लामाबाद। पाकिस्तान कश मीर मुद्दे पर दुनियाभर में बेइज्जती से बौखला गया है। इसी बौखलाहट में पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कश्मीर में धारा 370 खत्म होने के एक साल पूरा होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पाक अधिकृत कश मीर की राजधानी मुजफ्फराबाद में रैली करने का चैलेंज दि या है। कुरैशी ने यह भी कहा कि भारत को इमरान खान के लिए श्रीनगर जाने की अनुमति देना चाहिए जिससे दुनिया को पता चले कि कश मीर में किस नेता का कितना स्‍ वागत होता है। पाक वि देश मंत्री कुरैशी मीडिया से बातचीत में कहा, मेरा भारत के प्रधानमंत्री को आखिरी पैगाम है। कश्मीर में आर्टिकल 370 के खात मे का एक साल पूरा हो गया है। मैं पाकिस्‍ तान के विदेश मंत्री के नाते आपको न्‍ योता देता हूं कि अगर आपको अपनी नीतियों पर भरोसा है तो मुजफ्फराबाद में कश मीरियों के सामने रैली करें और देख लें किस तरह से आपका स्‍ वागत होता है। अगर आपमें हौसला है तो आप इमरान खान को श्रीनगर जाने दें और देख लें कि इमरान खान का कश मीर में किस तरह से स्‍ वागत होता है। जनमत संग्रह जब होगा तब होगा लेकिन अगर हिम्मत है तो हमारी चुनौती को स्वीकार करो। पाकिस्‍ तानी विदेश मंत्री के इस बयान पर लोग ट्विटर पर जमकर मजे ले रहे हैं । नियो नाम के यूजर ने लिखा, पाकिस्तानी राजनेता चकरा गए हैं। बयानबाजी करने के अलावा उनके पास और कोई जवाब नहीं है। वे लड़ाई नहीं लड़ सकते हैं और वह हासिल नहीं कर सकते हैं जो वह चाहते हैं। राजनयि क रूप से उन्‍ होंने कुछ भी हासिल नहीं किया है। आतंकवाद ने भारत को उस हद तक प्रभावित नहीं किया जितना कि उसने सोवियत संघ को किया था। रवि नंदूरी ने लिखा, पाकिस्तान कहां से कहां पहुंच गया....कभी कहते थे कि हम कश मीर के लिए परमाणु बम का इस्तेमाल करेंगे, अब कह रहे हैं कि नि यंत्रण रेखा के उस पार के पीएम को बात करने देना चाहिए। अब अगली बार पाकिस्तान यह सुझाव देगा कि कश मीर मुद्दे के समाधान के लिए दोनों ही देशों के कैबिनेट मंत्रियों के बीच कबड्डी मैच होना चाहिए। बता दें कि बुधवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा था कि भारत का पिछले साल उठाया गया कदम एक बड़ी भूल थी और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब फंस गए हैं। खान ने बुधवार को कहा है कि कश्मीर को भारत से जल्द आजाद करा लिया जाएगा। खान ने कहा कि पीएम मोदी ने पिछले साल 5 अगस्त को एक बड़ी गलती की। उन्होंने कहा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहले आर्टिल 370 हटाने में डर लग रहा था लेकिन चुनाव जीतने के बाद हिंदूवादी वोटबैंक को खुश करने के लिए ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

और सावधान

भारत में कोरोना संक्रमण के आंकड़ों में तेजी चिंताजनक जरूर है, लेकिन अप्रत्याशित नहीं। भारत की जो स्थिति या आबादी है, उससे किसी भी देश की तुलना संभव नहीं है। फिर भी आंकड़ों की तुलना तो होगी और चिंता का इजहार भी उत्तरोत्तर बढ़ता जाएगा। हमें अब किसी भी देश से तुलना करने की बजाय अपने आंकड़ों के बयान पर गौर करना चाहिए। हमारे आंकड़े हमारी अपनी कहानी बयान कर रहे हैं। जिस देश में कोरोनाके आंकड़ेको एक लाख तक पहुंचने में 100 से ज्यादा दिन लगे थे। उसी देश में पिछले दस लाख मामलों में मात्र 21 दिन लगे हैं। केवल एक दिन में अगर 62 हजार से ज्यादा मामले आएंगे, तो फिर तो हम सहज अनुमान लगा सकते हैं कि आगामी 50 दिनों में भारत की स्थिति क्या हो सकती है? 30 जनवरी को भारत में कोरोना का पहला मामला सामने आया था और शुरू में बहुत धीरे-धीरे मामले बढ़े थे। विशाल आबादी के बावजूद भारत कोरोना मामलों के अग्रणी राष्ट्रों में कहीं दूर-दूर तक नहीं था। तब भी आशंका पूरी थी कि भारत में तेजी से संक्रमण हो सकता है और अभी वही हो रहा है। हालांकि, इसका कतई यह अर्थ नहीं कि हम किसी बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। भारत में अगर 20 लाख से ज्यादा मामले सामने आए हैं, तो उनमें ठीक होने वाले 13 लाख से ज्यादा लोग शामिल हैं। सक्रिय मरीजों की संख्या करीब साढ़े छह लाख ही है। मोटे तौर पर अगर देखें, तो भारत में प्रतिदिन 40 हजार से ज्यादा मरीज ठीक हो रहे हैं, जबकि रोज 50 हजार से ज्यादा नए मरीज मिल रहे हैं। हमें इन दोनों के बीच के अंतर को न केवल पाटना है, बल्कि नए मरीजों की संख्या को ठीक होने वाले मरीजों की संख्या से कम भी करना है। जिस तैयारी के साथ भारत लड़ रहा है, उसमें हमारी यह कामयाबी नामुमकिन नहीं है। संक्रमण के ज्यादा मामलों के सामने आने के पीछे एक और कारण है। 1 अप्रैल को जहां भारत में बमुश्किल 4,000 टेस्ट हो पाए थे, वहीं अब रोजाना चार लाख से ज्यादा कोविड टेस्ट आसानी से हो रहे हैं। यह पहले भी कहा गया है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इशारा किया था कि भारत में चूंकि टेस्ट कम हो रहे हैं, इसलिए मामले कम सामने आए हैं। यह स्वाभाविक है। ज्यादा से ज्यादा टेस्ट करना आज जरूरी है, लेकिन टेस्ट के बाद जो आंकड़े सामने आएं, तो उनसे घबराना ठीक नहीं। अपनी पूरी घबराहट को सावधानी में बदल देने में ही इस वक्त हमारी भलाई है। हमारा देश बहुत बड़ा है, हमारे देश में आंकड़े छिपाए नहीं जाते। हमारे यहां अगर सबसे ज्यादा इंजीनियर-डॉक्टर हैं, तो सबसे ज्यादा रोगी भी हो सकते हैं। आज अगर भारत में संक्रमण दर सबसे तेज हो गई है, और अगर पिछले सात दिनों में हमारी कोरोना वृद्धि दर 3.1 प्रतिशत के साथ सबसे ज्यादा हो गई है, तो इसका श्रेय हमारी विशाल आबादी को भी जाता है। हमें किसी भी स्तर पर आंकड़ों से भयभीत नहीं होना है, और न ही उन्हें छिपाना है। कोरोना पर विजय के लिए ज्यादा से ज्यादा टेस्ट करने की जरूरत है। संदिग्धों को खोज-खोजकर क्वारंटीन करना और हर संभव इलाज समय की मांग है। हमारी निगाह ठीक होने वालों की बढ़ती संख्या पर रहनी चाहिए, ताकि हम किसी भी अवसाद से बचें और अपने बचाव में हरसंभव सावधानी बरतें।

आज के ट्वीट

सनातन

गंधार 100 साल में कंधार बना, कुंभा 100 साल में काबुल बना, पर्शिया 100 साल मे ईरान बना, बाल्हीक 100 साल मे बल्ख बना, कैकेय 100 साल मे पेशावर बना, कंबोज 100 साल मे बदख्शां बना, सुवास्तु 100 साल में स्वात घाटी बना, तक्षशिला 100 साल मे रावलपिंडी बना, जहां-जहा सनातन घटा, वहां- वहा अशांति बढ़ी

--अर्णव गोस्वामी

बदले हालात में नये कूटनीतिक प्रयास जरूरी

पुष्परंजन

राजपक्षे कुनबे की श्रीलंका पीपुल्स पार्टी (एसएलपीपी) जिसका सिंहाला नाम है, श्रीलंका पोदूजना पेरामुना, को 'सुपर मेजॉरिटी' मिली है। अकेली इस पार्टी को संसद की 225 में से 145 सीटें प्राप्त हुई हैं। बाक़ी इसके सहयोगी दलों को मिला लेने से दो-तिहाई सीटें पा लेने की आकांक्षा पूरी हो गई। अब इस संख्या के बूते महिंदा राजपक्षे आसानी से संविधान में बदलाव ला सकेंगे। सजित प्रेमदास की पार्टी समागी जन बलवेगया (एसजेबी) को 54 सीटें मिली हैं, जिसकी भूमिका संसद में एक कमज़ोर प्रतिपक्ष की रहेगी। तीसरे नंबर पर दस सीटें पाने वाली इलंकाई तमिल आरासू कच्ची (आईटीएके) है, जिसके नेता मवाई सेंतीराजा आने वाले दिनों में अपनी पार्टी की भूमिका तय करेंगे। चौथे नंबर पर जातिका जन बलवेगय (जेजेबी) है, जिसे तीन सीटें मिली हैं। दो-दो सीटें पाने वाली एआईटीसी और ईपीडीपी हैं, बाकी नौ पार्टियों को एक-एक सीट अंतिम परिणाम में प्राप्त हुई हैं। 70 दलों के 7452 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। आम चुनाव में राजपक्षे कुनबे की श्रीलंका पीपुल्स पार्टी (एसएलपीपी) को टक्कर सजित प्रेमदास की पार्टी 'एसजेबी' दे रही थी। सजित देश के तीसरे राष्ट्रपति आर. प्रेमदास के सुपुत्र हैं, जिनकी हत्या लिट्टे आत्मघातियों ने 1 मई 1993 को कर दी थी। कह सकते हैं कि देश के आम चुनाव में दो वंशवादी पार्टियां मैदान में उतरी थीं। सजित प्रेमदास की पार्टी समागी जन बलवेगया (एसजेबी), सबसे पुरानी यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) से फरवरी 2020 में अलग होकर अस्तित्व में आई है। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़े सजित प्रेमदास संसद में नेता प्रतिपक्ष थे। पिता की हत्या के बाद से राजनीतिक विरासत उन्होंने संभाली थी। इस पार्टी की कहानी भारत में कांग्रेस से थोड़ी-बहुत मिलती जुलती है। संयोग देखिये, चुनाव परिणाम भी कमोबेश उसी तरह से है। 2 करोड़ 20 लाख की आबादी वाले इस देश में जल्द आम चुनाव हो, उस वास्ते कोरोना प्रभावितों के डाटा में हेराफेरी का काम भी सरकारी स्तर पर हुआ था। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि कोविड-19 से केवल 11 नागरिकों की मौत हुई है, और कोरोना पॉजिटिव के केस मात्र 2 हज़ार 823 पाये गये। मार्च में संसद भंग कर अप्रैल में चुनाव की घोषणा कर दी गई थी। मगर, कोरोना जैसी आफत की वजह से चुनाव को स्थगित कर दिया गया था। देश पहले से ही कर्ज़ के भंवर में घूम रहा था, ऊपर से मंदी और कोरोना ने कोढ़ में खाज का काम किया है। श्रीलंका का पर्यटन व्यवसाय तो लगभग धंस चुका है, ऐसे में चुनाव के वास्ते किन लोगों ने पैसे लगाये? बड़ा सवाल है। कोलंबो स्थित थिंक टैंक, इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के सीनिसर कंसलटेंट अलेन कीनन मानते हैं कि राष्ट्रपति गोटवाया राजपक्षे से बड़े भाई महिंदा राजपक्षे की अनबन आरंभ हो चुकी थी। 2005 से 2015 तक दो बार राष्ट्रपति रह चुके महिंदा राजपक्षे को तकलीफ संविधान के 19वें संशोधन से है, जिसमें प्रधानमंत्री के पावर कम किये गये थे। नौकरशाही राष्ट्रपति गोटवाया राजपक्षे की ताबेदारी में अधिक लगने लगी थी, जिससे महिंदा राजपक्षे को लगता था, जैसे वे हाशिये पर जा रहे हों। दोनों भाइयों के बीच तनाव था, यह बात अलेन कीनन जैसे प्रेक्षक स्वीकार करते हैं। मगर, यह इतना भी नहीं था कि परिवार और पार्टी में टूट की स्थिति तक पहुंच जाती। यों, राष्ट्रपति गोटबाया का व्यवहार मतवाले हाथी जैसा हो चुका था। देश में मानवाधिकार कार्यकर्ता, पत्रकार, वकील व सामाजिक कार्यकर्ताओं की ख़ैर नहीं थी। बात-बात पर गिरफ्तारियों का सिलसिला शुरू हो चुका था। एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वाच और रिपोर्टर विदाउट बॉर्डर जैसी संस्थाओं ने सरकार को पत्र लिखकर दमनचक्र को बंद करने को कहा था। कोरोना से मृत मुसलमानों को दफन के बदले, जलाने का हुक्म देकर गोटबाया ने मुसलमानों को यह कहने का अवसर दे दिया कि सरकार उन्हें दबा रही है। गोटबाया के आदेश के विरुद्ध वकील हिज़ाज हिज़बुल्ला अदालत में गये। दूसरे दिन हिज़ाज हिज़बुल्ला को टेररिज़म एक्ट के तहत उठा लिया गया। आरोप लगाया कि 2019 को ईस्टर वाले दिन बमबारी की साजिश में वकील हिज़ाज हिज़बुल्ला शामिल थे। सत्तारूढ़ श्रीलंका पीपुल्स पार्टी (एसएलपीपी) के मुस्टंडों ने राष्ट्रवादी नारों के ज़रिये पूरे चुनाव में दहशत का वातावरण बना रखा था, इसकी शिकायत उपरोक्त सभी अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के पास गई थी। ख़ैर, गुरुवार देर शाम मतगणना के रुझानों को देखकर प्रधानमंत्री मोदी ने महिंदा राजपक्षे को बधाई देने में तनिक भी देर नहीं लगाई। इसकी प्रतिक्रिया तुरंत मिली। महिंदा राजपक्षे ने एक ट्वीट के ज़रिये अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। इस आभार संदेश से यह स्पष्ट होता है कि देश के ताक़तवर प्रधानमंत्री के रूप में महिंदा राजपक्षे आने वाले दिनों में भारत के प्रति कैसा रुख़ रखेंगे। 7 फरवरी 2020 को महिंदा राजपक्षे भारत पधारे थे। उनके अनुज राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे, नवंबर 2019 में भारत आ चुके थे। उस समय प्रधानमंत्री मोदी की ओर से श्रीलंका को 5 अरब 5 करोड़ डॉलर के लाइन ऑफ क्रेडिट दिये जाने की घोषणा हुई थी। नवंबर में ही गोटबाया राजपक्षे की भारत यात्रा से पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल कोलंबो गये थे। 18 नवंबर 2019 को गोटबाया के राष्ट्रपति पद के शपथ की अगली सुबह मुलाकात से यह बात सामने आई थी कि भारत माज़ी में पैदा ग़लतफहमियों को दूर कर श्रीलंका को इंगेज रखने को प्राथमिकता दे रहा है। महिंदा राजपक्षे जब फरवरी 2020 में भारत आये, चार दिनों की यात्रा में बोध गया, बनारस काशी विश्वनाथ मंदिर, तिरुपति के दर्शन के वास्ते भी गये। संभवतः बौद्धों के साथ-साथ तमिल वोट बैंक भी अड्रेस किया जाना उनका राजनीतिक लक्ष्य रहा हो। भारत से अक्सर मछुआरों के समुद्री सीमा पार कर जाने को लेकर विवाद रहा है, उसके हल के वास्ते उस यात्रा में 'ज्वाइंट मरीन रिसोर्स मैनेजमेंट' की स्थापना की गई। भारत ने यह भी तय किया था कि युद्ध से बर्बाद श्रीलंकाई इलाकों में 46 हज़ार घर बनवायेंगे। कोविड की वजह से यह काम स्थगित रखा गया है। हमें श्रीलंका में चीन की उपस्थिति कभी नहीं भूलनी चाहिए। इसे भी याद रखने की ज़रूरत है कि पाकिस्तान, दक्षिण एशिया में भारत के बाद दूसरा सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। वह पहला देश है, जिसने श्रीलंका से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया था। कोरोना से पहले पर्यटन को बढ़ाने के वास्ते श्रीलंका, पाकिस्तान के प्रमुख शहरों से विमान सेवाएं आरंभ किये जाने का प्रस्ताव दे चुका है। भारत को चाहिए, श्रीलंका की कूटनीति में धर्मगुरुओं को सक्रिय करे। अयोध्या से अनुराधापुरा को जोड़े। पाकिस्तान की काट वहां है!

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

ज्ञान गंगा

खेलकूद

जग्गी वासुदेव/ जब आप बच्चे थे तब आप का खेलकूद आप को पूरी तरह व्यस्त रखता था, आप का खेलकूद हर समय चलता रहता था। आप जब युवा हुए तो वो सब खेलकूद आप को थोड़ा मूर्खतापूर्ण लगने लगा, आप को लगा कि अब आप थोड़े गंभीर और उद्देश्यपूर्ण हो गए हैं। उसके बाद क्या हुआ? आप की बुद्धिमत्ता को आप के हार्मोन्स ने जकड़ लिया। फिर आप कुछ भी स्पष्ट रूप से दिखना बंद हो गया। अचानक ये होने लगा कि जब भी आप किसी स्त्री या पुरुष को देखते थे तो सभी प्रकार की चीजें हो जाती थीं। फिर धीरे-धीरे आप बूढ़े होने लगे। बूढ़े लोग बस हमेशा चिंतित रहते हैं। एक बच्चा पूरी तरह से खेल में व्यस्त रहता है, आप उससे अंतिम सत्य के बारे में बात नहीं कर सकते। युवा पूरी तरह से हार्मोन्स के शिकंजे में होते हैं, उनसे भी आप ये बातें नहीं कर सकते। बूढ़े लोग बस इस चिंता में लगे रहते हैं कि वे स्वर्ग में कहां होंगे? तो आप उनसे भी इस बारे में बात नहीं कर सकते। फिर बताईये, यहां है कौन? कोई ऐसा, जो न बच्चा हो, न युवा, न वृद्ध-कोई ऐसा जो सिर्फ जीवन हो-सिर्फ उससे ही आप ये बात कर सकते हैं। अत-, इस बात को आप अपने पहले या आखिरी कदम के रूप में न देखें। यहां बस जीवन के एक अंश की तरह रहें। उस तरह से रहना ही सबसे अच्छी तरह से 'होना' है। आप कोई युवा नहीं हैं, न ही कोई वृद्ध हैं। ये तो धरती तय करेगी कि आप के शरीर को कब वापस लेना है। जब खाद तैयार हो जाएगी तब धरती इसे वापस ले लेगी, पेड़ तो प्रतीक्षा कर ही रहे हैं। इस बारे में चिंता मत कीजिये। आप बस जीवन का एक अंश हैं। इस जीवन के रूप में कोई युवा नहीं, कोई वृद्ध नहीं, कोई बच्चा नहीं। इस जीवन को बस कुछ बड़े में परिपक्व होना है! जीवन के सभी पहलू आप के लिए सिर्फ तभी घटित होंगे जब आप यहां बस जीवन के एक अंश के रूप में होंगे। आप अगर यहां एक पुरु ष के रूप में हैं, तो आप के लिए कुछ चीजें घटित होंगी। यदि आप एक स्त्री के रूप में हैं तो कुछ अन्य चीजें होंगी। और अगर आप बस एक बच्चे के रूप में हैं तो कुछ और होगा। अगर आप एक डॉक्टर के रूप में हैं, या एक इंजीनियर या कलाकार, या कुछ और, तो आप के लिए कुछ अलग अलग चीजें घटित होंगी, लेकिन अगर आप यहां जीवन के एक अंश की तरह होंगे तो फिर जीवन के साथ जो कुछ हो सकता है, वो सब आप के साथ होगा।

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है।

अंतर्मन में झांक तोड़िये सत्ता के बंधन

माननीयों को पाती/ जगमोहन सिंह राजपूत

मैं राजस्थान के उन सम्माननीय विधायकों के समक्ष अपनी पीड़ा व्यक्त करना चाहता हूं जो पिछले महीने से बड़े होटलों में प्रतिबंधों के बीच रह रहे हैं। आपको जनता ने चुना है, आप पंच-परमेश्वर के पद पर स्थापित किये गए हैं। आप गांधी, नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री की विरासत के उत्तराधिकारी हैं। आपका सम्बन्ध महाराणा प्रताप और भामाशाह जैसे मनीषियों से ही नहीं, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद जैसे मनीषियों से जुड़ता है। राजस्थान साहस, त्याग, बलिदान, शौर्य, रक्षा, वचन की प्रतिबद्धता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। आज घर-घर यह चर्चा है कि यदि आप होटल से बाहर आकर अपने क्षेत्र में जायेंगे तो आप लालच के शिकार हो सकते हैं। क्या यह आप पर, आपकी निष्ठा पर और आप के चरित्र पर अस्वीकार्य लांछन नहीं है? क्या आपने अपने परिवार के निकटतम संबंधियों से चर्चा की है? क्या आपके बच्चे इस स्थिति से दुखी नहीं हैं? मैंने जीवन भर बच्चों के साथ कार्य किया है। वे कभी गलत नहीं होते। एक बार आप भी आजमायें, उनकी राय लीजिये। आप अपने क्षेत्र के हर व्यक्ति के प्रतिनिधि हैं। राजस्थान कोरोना -मुक्त नहीं है। जनता की राय में आपका होटलों का ठहराव ऐश्वर्यपूर्ण और शाह-खर्च माना जाता है। यह अन्य लोगों द्वारा प्रायोजित है। क्या इस वैश्विक आपदा के समय आपको अपने क्षेत्र में अपने लोगों के बीच में नहीं होना चाहिए? अपने अन्दर झांकिए और अपनी आत्मा से पूछिये। वही आपको सही दिशा देगी, अपनी प्रतिष्ठा और साख बचाइये। इस तथ्य से आंख न मूंदें कि उस पर आंच आ रही है। और यह आंच गांधी के सपनों के भारत को भी झुलसा रही है। आपने गांधी जी का त्याग तो अभी तक नहीं किया है, फिर आप बंधक कैसे बन सकते हैं। क्या आपको विश्वास नहीं है कि आप अपने लोगों के बीच रहकर भी हर लालच से अपने को बचा सकते हैं? मैं 1962 से पढ़ाने और पढ़ने का कार्य कर रहा हूं। मैंने देश के निर्माण में लाखों अन्य अध्यापकों की तरह भाग लिया है। एक क्षेत्रीय संस्थान के प्राचार्य, एनसीईआरटी और एनसीटीई के निदेशक और अध्यक्ष पद पर रहने के उपरांत देश के हर विद्यार्थी और अध्यापक से मैं जीवंत रूप से जुड़ा हूं। आप से और आप के बच्चों से भी मैं जुड़ा हूं। मैं दुखी और चिंतित हूं, अपनी और आपकी भावी पीढ़ियों के लिए। इसीलिए आपको यह सब कहने का साहस कर रहा हूं। देश के भविष्य के लिए ऐसे उदाहरण का भाग मत बनें जो नैतिकता और ईमानदारी पर खरा न उतरता हों। आप अपने मन-मानस से कभी इस आक्षेप को स्वीकार नहीं कर पा रहे होंगे कि आपको लालच से बचाने के लिए होटल में बंद कर दिया जाये! मुझे यह भी पता है कि कहीं न कहीं आप अपमान-बोध से घिरे हैं। मुझे हर स्तर का जो भी व्यक्ति मिला है, इस प्रकरण से दुखी है। इस बंधक बनाने की प्रथा का इतना सामान्यीकरण हो गया है कि लोगों ने इसे नियति मान लिया है। यह चिंता का विषय है। आज यदि आपके होटल के कमरे में लाल बहादुर शास्त्री पहुंच जायें तो क्या आप सिर उठाकर उन्हें प्रणाम भी कर पायेंगे? जो कुछ हो रहा है, पहली बार नहीं हो रहा है, लेकिन जब-जब यह होता है, स्वतंत्रता सेनानियों का घोर अपमान होता है, लोगों का प्रजातंत्र पर विश्वास घटता है। आप में से किसी की भी छवि सुधर नहीं रही है। आपने जो जनसेवा के कार्य किये हैं, जिनके आधार पर लोगों ने आप पर विश्वास किया है, वह भी ऐसे अवसरों पर नेपथ्य में चले जाते हैं। गांधी के चित्र की ओर देखिये, जिन्होंने कहा था कि 'मेरा जीवन ही मेरा सन्देश है।' क्या आप यही अपने बच्चों से नहीं कहना चाहेंगे? यदि भावी पीढ़ियां नीतिगत आदर्शों पर चलने वाले लोगों का उदाहरण अपने सामने नहीं देखेंगी तो वे आदर्श मानवीय मूल्यों को कैसे अन्तर्निहित करेगी? मुझे पूर्ण विश्वास है कि राजस्थान के जिस गौरवपूर्ण वातावरण में आप बड़े हुए हैं, उसका आप पर प्रभाव पड़ा है, अपने पुरखों और अध्यापकों को याद कीजिये, जिन्होंने आपको संस्कार दिए थे। आप उस राजस्थान के हैं, जिसने विश्व को आत्म-गौरव का पाठ पढ़ाने के लिए स्वामी विवेकानंद के अमेरिका जाने का प्रबंध किया था। स्वामी विवेकानंद हर युवक को शक्ति और साहस का जो पाठ पढ़ा गए, उन्हें याद कीजिये। अपने विधानसभा क्षेत्र में जाकर दीन-दुखियों की सेवा में लग जाइये। यदि आप यह साहस कर सके तो आप नया इतिहास लिख देंगे। आगे से कोई राजनेता या दल जन-प्रतिनिधियों को बंधुआ बनाने का साहस नहीं करेगा। राजस्थान भारत में जनतंत्र की राजनीति की पुनर्स्थापना में देश को राह दिखा देगा!

डिविस लैब का मुनाफा 81 फीसद बढ़ा, शुद्ध लाभ 492 करोड़ रुपये

फार्मा कंपनी डिविस लैबोरेट्रीज का चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 80.61 प्रतिशत बढ़कर 492.06 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 272.44 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 1,747.80 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,193.20 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि उसके परिचालन पर कोविड-19 महामारी बहुत मामूली प्रभाव पड़ा है। तिमाही के दौरान उसका परिचालन काफी हद तक सामान्य रहा।

कोविड-19 की मार! कोल इंडिया ने उत्पादन लक्ष्य घटाकर 65-66 करोड़ टन किया

कोलकाता। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने कोविड-19 महामारी की वजह से पैदा हुई अड़चनों के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष 2020-21 के लिए अपने उत्पादन लक्ष्य को घटाकर 65-66 करोड़ टन कर दिया है। पहले कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में 71 करोड़ टन के उत्पादन का लक्ष्य तय किया था। कंपनी के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने शनिवार को भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। अग्रवाल ने कहा कोविड-19 महामारी की वजह से कोयले की मांग प्रभावित हुई है। हालांकि, अब उद्योगों द्वारा परिचालन शुरू करने के बाद मांग सुधर रही है। उन्होंने कहा मौजूदा स्थिति को देखते हुए हमें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में हमारा उत्पादन 65 से 66 करोड़ टन रहेगा। उन्होंने कहा कि अगस्त में कोल इंडिया की मांग में सात से आठ प्रतिशत का सुधार हुआ है। सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी ने पिछले साल 60.2 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था, जबकि लक्ष्य 63 करोड़ टन का था।

एकमुश्त ऋण पुनर्गठन से कंपनियों का नकदी दबाव कम होगा : क्रिसिल

मुंबई। कोविड-19 महामारी की वजह से दबाव झेल रही कंपनियों को कॉरपोरेट ऋण के एकमुश्त पुनर्गठन से राहत मिलेगी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे कंपनियों का नकदी या तरलता दबाव कम हो सकेगा। रिजर्व बैंक ने बृहस्पतिवार को बैंकों को कॉरपोरेट और व्यक्तिगत ऋण के एकबारगी पुनर्गठन की अनुमति दी। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों को एकबारगी ऋण पुनर्गठन की अनुमति दिए जाने से कोविड-19 की वजह से प्रभावित कंपनियों का नकदी दबाव कम हो सकेगा।' रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्थिक मंदी के बीच मांग कमजोर बनी हुई है। ऐसे में कई कंपनियां इस अवसर का लाभ उठाकर अपने ऋण पुनर्गठन करेंगी और नकदी की बचत करेंगी। ऋण पुनर्गठन की सुविधा उन कंपनियों को मिलेगी जो इस महामारी की वजह से दबाव में हैं और उनका ऋण खाता मानक बना हुआ है और अधिक नहीं था। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि वह अपनी क्रेडिट रेटिंग में ऋण पुनर्गठन के प्रभाव को भी आधार बनाएगी। उसकी रेटिंग कार्रवाई ऋण पुनर्गठन के समय और शर्तों पर निर्भर करेगी। एक मार्च, 2020 तक उनका किसी ऋण देने वाले संस्थान से भुगतान चूक या डिफॉल्ट 30 दिन से अधिक नहीं था। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि वह अपनी क्रेडिट रेटिंग में ऋण पुनर्गठन के प्रभाव को भी आधार बनाएगी। उसकी रेटिंग कार्रवाई ऋण पुनर्गठन के समय और शर्तों पर निर्भर करेगी।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजनाः पहचान पत्र नहीं रखने वाले रेहड़ी-पटरी वालों को भी मिलेगा कर्ज

नई दिल्ली।

अब वे रेहड़ी-पटरी, ठेले या सड़क किनारे दुकान चलाने वाले भी प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ ले सकेंगे जिनके पास पहचान पत्र और विक्रय प्रमाण पत्र नहीं है। केंद्र सरकार ने इसके लिये अनुशंसा पत्र (एलओआर) व्यवस्था की शुरूआत की है। इस योजना के तहत ठेले, खोमचे वाले 10,000 रुपये तक का कर्ज ले सकते हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने इस सुविधा की शुरूआत की और कहा कि पात्र रेहड़ी-पटरी वाले स्थानीय शहरी निकाय अनुशंसा पत्र के लिए अनुरोध कर सकता है। सड़क किनारे ठेले पर दुकान लगाने वालों के लिये प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना शुरू की गयी है। इसके तहत ठेले, खोमचे वाले 10,000 रुपये तक कार्यशील पूंजी कर्ज ले सकते हैं। इस कर्ज को एक साल में मासिक किस्त में लौटाना होगा। मिश्रा ने कहा कि योजना के तहत एलओआर प्राप्त करने के बाद ठेले वाले दुकानदार कर्ज के लिये आवेदन दे सकते हैं। बयान के अनुसार पीएम स्वनिधि पोर्टल पर स्थानीय शहरी निकायों से एलओआर प्राप्त करने के लिये ऑनलाइन आवेदन करने के लिए एक विक्रेता के पास निम्न दस्तावेजों में से कोई एक होना चाहिए। ये दस्तावेज हैं- लॉकडाउन अवधि के दौरान कुछ राज्यों / संघ शासित क्षेत्रों द्वारा दी गई एकमुश्त सहायता का प्रमाणपत्र या विक्रेता संघों का सदस्यता विवरण अथवा कोई अन्य दस्तावेज यह साबित करने के लिए कि वह एक विक्रेता है।इसके अलावा, एक विक्रेता सादे कागज पर साधारण आवेदन के माध्यम से स्थानीय शहरी निकाय से अनुरोध कर सकता है कि स्थानीय जांच द्वारा उसके दावे की वास्तविकता का पता लगाया जाये।

स्थानीय निकाय को 15 दिनों की अवधि के भीतर एलओआर जारी करने के अनुरोध का निपटान करना होगा। बयान के अनुसार जिन विक्रेताओं के पास एलओआर हैं, उन्हें 30 दिनों की अवधि के भीतर विक्रय प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ वेंडिंग) / पहचान पत्र जारी किया जाएगा।

एफपीओ के लिए राज्य व जिला स्तरीय समितियों के गठन को मंजूरी

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राज्य में कृषक उत्पादक संगठनों के गठन व उनकी प्रगति की समीक्षा के लिए राज्य स्तरीय परामर्श समिति तथा जिला स्तरीय निगरानी समिति के गठन को मंजूरी दी है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 तक देशभर में 10 हजार नए कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) के गठन का लक्ष्य है। सरकारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इन समितियों के गठन को मंजूरी दी हैं। इससे तय लक्ष्य के अनुरूप राज्य तके अधिक से अधिक कृषक उत्पादक संगठन गठित करने तथा इन संगठनों के माध्यम से किसानों को आय के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने का उद्देश्य पूरा होगा। इसके तहत राज्य स्तरीय परामर्श समिति कृषि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रमुख शासन सचिव अथवा शासन सचिव की अध्यक्षता में गठित की जाएगी। नाबार्ड के महाप्रबंधक इस समिति में सदस्य सचिव होंगे। इसी प्रकार जिला स्तरीय निगरानी समिति जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में गठित होगी। मुख्यमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के तहत विस्तार के लिए कृषि विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति गठित करने को मंजूरी दी है।

दिल्ली हवाईअड्डे ने आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए बनाया ऑनलाइन पोर्टल

नई दिल्ली। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा लिमिटेड (डायल) ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है। यह पोर्टल देश में आने वाले यात्रियों को अनिवार्य रूप से स्व-घोषणापत्र भरने और पात्र यात्रियों को जरूरी प्रशासनिक पृथकवास से छूट की ऑनलाइन आवेदन की सुविधा देगा। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतराष्ट्रीय हवाईअड्डे का प्रबंध संभालने वाली कंपनी डायल ने कहा कि यह मंच यात्रियों की यात्रा को संपर्करहित बनाएगा। उन्हें भारत में आने पर स्वघोषणा पत्र या पृथकवास से छूट का आवेदन करने के लिए कागजी दस्तावेज के रूप में फॉर्म नहीं भरना होगा। डायल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि शनिवार से पांच श्रेणियों के अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को सात दिन के अनिवार्य संस्थागत पृथकवास से छूट मिलेगी। इसमें गर्भवती महिलाएं, जिनके परिवार में किसी की मौत हुई है, 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चे के साथ यात्रा कर रहे अभिभावकों, यात्रा से 96 घंटे पहले कोविड-19 जांच की नकारात्मक रिपोर्ट वाले यात्री शामिल हैं। पृथकवास से छूट वाले यात्रियों को 14 दिन अपने घर पर पृथकवास में रहना होगा। बाकी अन्य सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को अपने खर्च पर सात दिन की अनिवार्य संस्थागत पृथकवास डायल ने कहा कि छूट के लिए यात्रियों को अपनी यात्रा शुरू करने से कम से कम 72 घंटे पहले आवेदन करना होगा।

कोविड-19 महामारी के दौरान इन 11 राज्यों ने गरीबों को नहीं दिया मुफ्त राशनः पासवान

नई दिल्ली।

खाद्य मंत्री राम विलास पासवान ने कहा कि पंजाब और पश्चिम बंगाल समेत 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत जुलाई में मुफ्त अनाज का वितरण नहीं किया। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप राशन दुकानों के जरिये मुफ्त खाद्यान्न पिछले महीने 81 करोड़ लाभार्थियों में से केवल 62 प्रतिशत तक ही पहुंच पाया। उन्होंने राज्यों से अनाज वितरण में तेजी लाने का आग्रह किया। पासवान ने कहा कि जुलाई में कम अनाज वितरण का कारण यह भी है कि कुछ राज्य दो महीने, तीन महीने या छह महीने में एक बार में ही अनाज वितरण का कार्यक्रम चलाते रहे हैं। पीएमजीकेएवाई के तहत अप्रैल से ही राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के तहत चिन्हित लाभार्थियों को मुफ्त अनाज का वितरण किया जा रहा है। इस पहल का मकसद कोविड-19 महामारी के कारण लोगों को होने वाली कठिनाइयों से राहत दिलाना है। इसके अंतर्गत प्रति लाभार्थी 5 किलो अनाज (गेहूं या चावल) और एक किलो चना उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना शुरू में तीन महीने के लिये लागू की गयी थी लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर नवंबर तक कर दिया गया। पासवान ने संवाददाता सम्ममेलन में कहा पहले तीन महीनों में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों ने पीएमजीकेएवाई के तहत करीब 95 प्रतिशत लाभार्थियों को अनाज का वितरण किया। लेकिन जुलाई में वितरण 62 प्रतिशत पर आ गया। उन्होंने कहा कि पिछले महीने कुल 81 करोड़ लाभार्थियों में से 49.87 करोड़ को अनाज वितरित किया गया। इन्हें करीब 24.94 लाख टन अनाज वितरित किये गये। पासवान ने यह भी कहा कि पंजाब, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, पुडुचेरी, नगालैंड, मिजोरम, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार द्वीपसमूह समेत 11 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों ने जुलाई माह में अनाज का वितरण नहीं किया। उन्होंने कहा कि माह के दौरान करीब नौ राज्यों ने 90 प्रतिशत वितरण किया जबकि पांच राज्यों ने 80 प्रतिशत अनाज मुफ्त वितरण किया। मंत्री ने कहा कि खाद्यान्न का वितरण जारी है। पीएमजीकेवाई के तहत अगस्त में अब तक राज्य 72,711 टन अनाज राशन की दुकानों के जरिये 1.45 करोड़ लाभार्थियों को वितरित किये। उन्होंने कहा कई राज्य अनाज का वितरण दो महीने, तीन महीने या छह महीने में एक बारगी कर रहे हैं। ज्यादातर वितरण चालू महीने में हो जाना चाहिए। बाढ़ प्रभावित राज्यों में अनाज वितरण की स्थिति के बारे में मंत्री ने कहा कि असम और बिहार में वितरण कार्य प्रभावित हुआ है। इन राज्यों में पीएमजीकेएवाई के तहत जुलाई में क्रमशः केवल 21 प्रतिशत और 52 प्रतिशत लाभार्थियों को अनाज वितरित किये गये।

गिरीश चंद्र मुर्मू ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का पदभार संभाला

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपराज्यपाल गिरीश चंद्र मुर्मू ने शनिवार को देश के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) का पद संभाल लिया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। इससे पहले सुबह राष्ट्रपति भवन में मुर्मू ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के पद की शपथ ली। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान के अनुसार मुर्मू ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के समक्ष पद की शपथ ली।पूर्व नौकरशाह मुर्मू गुजरात कैडर के 1985 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं। नए कैग के रूप में उनका कार्यकाल 20 नवंबर, 2024 तक है। उन्होंने शुक्रवार को सेवानिवृत्त हुए राजीव महर्षि का स्थान लिया है। कैग एक संवैधानिक पद है जिसपर केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के खातों की लेखापरीक्षा करने की प्राथमिक जिम्मेदारी है। कैग की लेखापरीक्षा रिपोर्टों को संसद और राज्य विधानसभाओं में पेश किया जाता है। मुर्मू को राष्ट्रपति भवन में सुबह पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा राजीव महर्षि भी मौजूद थे। राष्ट्रपति भवन में पद और गोपनीयता की शपथ लेने के बाद मुर्मू कैग के कार्यालय पहुंचे। संघ शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का उपराज्यपाल बनने से पहले मुर्मू व्यय विभाग में संयुक्त सचिव, वित्तीय सेवा और राजस्व विभाग में अतिरिक्त सचिव रह चुके हैं।

टैक्स जमा न करने वाली 5,500 कंपनियों पर कसेगा शिकंजा, दिल्ली सरकार ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली।

दिल्ली सरकार ने कर रिटर्न दाखिल नहीं करने वाली 5,500 से अधिक कंपनियों को शुक्रवार को नोटिस जारी किया। एक बयान में कहा गया कि सरकार कर जीएसटी कर रिटर्न दाखिल नहीं करने वालों या डिफॉल्टरों की सूची भी तैयार कर रही है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कोविड-19 महामारी से ई-कॉमर्स, बीमा और वित्तीय सेवा सहित नौ क्षेत्र प्रभावित नहीं हुए हैं। लेकिन इन क्षेत्रों की करीब 935 कंपनियों ने कोई कर नहीं दिया है। वहीं 2,017 कंपनियां ऐसी हैं जिन्होंने सिर्फ 50 प्रतिशत कर चुकाया है। सिसोदिया के पास वित्त मंत्रालय का भी प्रभार है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार सख्ती से उन कारणों की जांच करेगी जिनकी वजह से इन कंपनियों ने कर रिटर्न जमा नहीं किया है। एक विश्लेषण से पता चलता है कि सरकार को पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 2,015 करोड़ रुपये का कम कर प्राप्त हुआ है। वहीं 2019 में सरकार को 5,792 करोड़ रुपये का कर प्राप्त हुआ था, लेकिन इस साल जनवरी से मार्च के दौरान सरकार का कर संग्रहण सिर्फ 3,777 करोड़ रुपये रहा है। दिल्ली सरकार अपना कर संग्रह बढ़ाने के लिये कड़ी मेहनत कर रही है। इससे सरकार को विभिन्न विकास कार्यों और महामारी से संबंधित कार्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिलगी। पिछले तिमाही के कर संग्रह की समीक्षा से यह पता चला है कि माल एवं सेवाकर (जीएसटी) के तहत पंजीकृत 10,800 कंपनियों ने दिल्ली सरकार को या तो कोई कर नहीं दिया है या फिर कम कर दिया है। इसमें कहा गया है कि दिल्ली सरकार ने इन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है और शुक्रवार को 5,584 कंपनियों को जीएसटीआर कानून की धारा 3ए के तहत कर रिटर्न दाखिल नहीं करने पर नोटिस भेजा है। वहीं 36 कंपनियों को कर रिटर्न दाखिल नहीं करने पर वैट नौटिस जारी किया है।

ई-वाहन कारोबार के लिए रणनीतिक साझेदार की तलाशः महिंद्रा एंड महिंद्रा

नई दिल्ली। घरेलू वाहन कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा अपने इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार के लिए रणनीतिक साझेदार ढूंढ रही है, ताकि भविष्य में इसका विस्तार कर सके। कंपनी के प्रबंध निदेशक पवन गोयनका ने यह जानकारी दी। महिंद्रा एंड महिंद्रा का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 94 प्रतिशत गिरकर 54.64 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने कहा कि कोविड-19 की वजह से उसके ई-वाहन पेश करने की योजना पर कोई असर नहीं होगा। गोयनका ने कॉन्फ्रेंस कॉल में संवाददाताओं से कहा कि ई-वाहन क्षेत्र में कंपनी ने अच्छा-खासा पूंजीगत निवेश किया है। इसलिए हमें अच्छा भागीदार ढूंढने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। इसलिए हमें अच्छा भागीदार ढूंढने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। इसलिए हमें अच्छा भागीदार ढूंढने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। उन्होंने कहा हम खुला रुख कर इस पर काम कर रहे हैं। अभी हम महिंद्रा इलेक्ट्रिक में निवेश के इच्छुक कई पक्षों के साथ बातचीत कर रहे हैं। गोयनका ने कहा कि हमने बेंगलुरू में निवेश किया है। चाकन (महाराष्ट्र) में भी उच्च दक्षता की बैटरियां के विनिर्माण के लिए निवेश किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी के कई उत्पाद पहले से मौजूद है, अगले 12 महीने में कंपनी की योजना और उत्पाद पेश करने की है।

बिजली वितरण कंपनियों ने अपने ग्राहकों को दिया तोहफा, बदल सकते हैं घर के पुराने पंखे और एसी

नई दिल्ली।

दिल्ली में बिजली वितरण करने वाली बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (बीवाईपीएल) और बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल) ने अपने ग्राहकों के लिये एयर कंडीशनर (एसी) और पंखे बदलने की योजना शुरू की है। इसके तहत ग्राहक उल्लेखनीय छूट के साथ पुराने पंखों और एयर कंडीशनर को ऊर्जा दक्ष उत्पादों से बदल सकते हैं। बीएसईएस प्रवक्ता के अनुसार बीवाईपीएल और बीआरपीएल सुरक्षित और टिकाऊ प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देकर ऊर्जा दक्ष उत्पादों को प्रोत्साहन दे रही हैं। योजना के तहत दक्षिण, पश्चिम, पूर्व और मध्य दिल्ली के ग्राहक अपनी पुरानी एसी को नये ऊर्जा दक्ष पांच सितारा एयर कंडीशनर से बदल सकते हैं। इस पर उन्हें 64 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। बीआरपीएल ने पंखा बदलने की भी योजना शुरू की है। इसके तहत ग्राहक पुराने पंखों को कम बिजली खपत वाले पंखे से बदल सकते हैं। इसमें ग्राहकों को 67 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। बीवाईपीएल भी पूर्वी और मध्य दिल्ली के ग्राहकों के लिये इस प्रकार की योजना शुरू कर सकती है। ग्राहक वितरण कंपनियों के हेल्पलाइन नंबर या वेबसाइट पर जाकर योजना का लाभ उठा सकते हैं। प्रवक्ता के अनुसार ग्राहक ऊर्जा दक्ष एसी के जरिये सालाना 1,000 यूनिट तक की बिजली बचत कर सकते हैं।

यह बचत एसी मॉडल और उसके प्रकार पर निर्भर करेगी। उसने कहा कि प्रत्येक ग्राहक तीन एसी और पंखे बदल सकते हैं।

अदालती मामलों का बोझ कम करने में वैकल्पिक विवाद निपटान, प्रौद्योगिकी का बढ़े इस्तेमालः चंद्रशेखरन

नयी दिल्ली।

देश के प्रमुख उद्योग समूह टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को अदालतों में लंबित मामलों की संख्या घटाने के लिए वैकल्पिक विवाद निपटान (एडीआर) व्यवस्था और प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने की वकालत की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड के मुताबिक देश की विभिन्न अदालतों में करीब तीन करोड़ मामले लंबित हैं। देश की न्यायिक व्यवस्था में क्षमता का बड़ा मुद्दा है । शास्त्र विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि यदि हम उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय की बात करें तो करीब 45 लाख मामले लंबित हैं। सामान्यत एक न्यायालय की बात करें तो करीब 45 लाख मामले लंबित हैं। सामान्यत एक मामले के निस्तारण में चार से पाचं साल का वक्त लग जाता है। न्यायालय की बात करें तो करीब 45 लाख मामले लंबित हैं। सामान्यत एक मामले के निस्तारण में चार से पाचं साल का वक्त लग जाता है। जबकि अदालत में कार्रवाई के दौरान विवाद के निपटान की कुल राशि का करीब 40 प्रतिशत खर्च ही हो ताजा है। ऐसे में यदि जाया होने वाले समय के मूल्य को भी जोड़ लें तो विवाद निपटान में हासिल होने वाला 100 प्रतिशत खत्म हो चुका होता है। उन्होंने कहा कि यदि इसे कॉरपोरेट कंपनियों की नजर से देखा जाए तो कानूनी मामलों पर सालभर में 45,000 करोड़ रुपये व्यय होते हैं। इस तरह उनके हिसाब से यह बड़ा खर्च है और बड़ी कमी भी जिसे दूर किए जाने की जरूरत है। ऐसे में वैकल्पिक विवाद निपटान व्यवस्था और प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल निश्चित तौर पर बड़ा फर्क ला सकती है। राष्ट्रीय न्यायिक सूचना ग्रिड के मुताबिक देश की न्यायिक प्रणाली में करीब तीन करोड़ मामले लंबित हैं। चंद्रशेखरन ने कहा कि व्यवस्था को प्रणाली को असंतुष्ट पार्टियों को यह विश्वास दिलाने की जरूरत है कि कोई निपटान अथवा फैसला थोड़े अथवा विवाद के बिना हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह समय एडीआर और कृत्रिम मेधा दोनों के लिये उपयुक्त है उन्होंने कहा कि भारत की कोई भी सामाजिक समस्या प्रौद्योगिकी के इसतेमाल से हल हो सकती है लेकिन केवल प्रौद्योगिकी से नहीं।

केंद्र ने दिल्ली मेट्रो से कहा, कर्ज चुकाने के मामले में दिल्ली सरकार की मदद लें

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) से कहा है कि वह विभिन्न परियोजनाओं के लिये जापान इंटरनेशनल को-ऑपरेशन एजेंसी (जिका) से लिये गये कम ब्याज दर वाले कर्ज को चुकाने के लिये दिल्ली सरकार से मदद मांगे। डीएमआरसी ने जिका से कुल 35,198 करोड़ रुपये के ऋण लिये हैं। डीएमआरसी के कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने कहा हमें हाल ही में मंत्रालय से इस तरह का एक संदेश मिला है। उसी पर विचार और कार्रवाई की जा रही है। उनसे केंद्रीय आवास व शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा सभी मेट्रो को बाहरी एजेंसियों से लिये गये कर्ज की किस्ते चुकाने में संबंधित राज्य सरकारों की मदद लेने का निर्देश देने संबंधी खबरों के बारे में पूछा गया था। दिल्ली मेट्रो को जिका ने 1.2 प्रतिशत से 2.3 प्रतिशत तक की दर पर कर्ज दिये हैं।

इन्हें 30 साल में चुकाया जाना है। डीएमआरसी ने अभी तक 3,337 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है और अब उसके ऊपर जिका का 31,861 करोड़ रुपये बकाया है। कोरोना वायरस महामारी के प्रसार को रोकने के उपाय के मद्देनजर 22 मार्च से

दिल्ली मेट्रो का संचालन बंद है। पिछले कुछ महीनों में सेवाओं के बंद होने से दिल्ली मेट्रो को लगभग 1,300 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है। सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि डीएमआरसी ने ऋण के मुद्दे पर अभी तक दिल्ली सरकार से संपर्क नहीं किया है।

इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों ने दिल्ली की इलेक्ट्रिक वाहन नीति की सराहा

नयी दिल्ली।

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनियों ने दिल्ली की 'इलेक्ट्रिक वाहन नीति' को सही दिशा में उठाया गया कदम बताया है। उनका कहना है कि इससे राजधानी में स्वच्छ ऊर्जा वाहनों का इस्तेमाल बढ़ेगा और अन्य राज्य भी इसका अनुकरण करेंगे। वाहनों का इस्तेमाल बढ़ेगा और अन्य राज्य भी इसका अनुकरण करेंगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को 'दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति' पेश की। इसके तहत सरकार ने दिल्ली में बैटरी विद्युत वाहनों पर पंजीकरण शुल्क और पथकर माफ करने की घोषणा की है। साथ ही सरकार नई इलेक्ट्रिक कार के लिए 1.5 लाख रुपये का प्रोत्साहन भी उपलब्ध कराएगी। नीति के तहत दिल्ली सरकार इलेक्ट्रिक दोपहिया, तिपहिया, ई-रिक्शा तथा ढुलाई वाहनों पर 30,000 रुपये तक का प्रोत्साहन देगी। इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल (एसएमईवी) ने कहा कि इस नीति से मौजूदा ईवी के ढांचे को केंद्र की फेम-दो से अधिक बढ़ावा मिलेगा। एसएमईवी के महानिदेशक सोहिंदर गिल ने कहा, ''केंद्र सरकार की योजना के तहत कुछ अंकुश वाले नियमों की वजह से जो ग्राहक सब्सिडी नहीं पा सकेंगे, उनके पास अब इस योजना के तहत सब्सिडी पाने का मौका होगा।'' अथर एनर्जी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सह-संस्थापक तरुण मेहता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने ऐसी नीति पेश की है । जिससे अंतिम उपभोक्ता तक पहुंच का मुद्दा हल होगा। अतिरिक्त सब्सिडी से इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना और सस्ता बैठेगा। इससे आम उपभोक्ता इन वाहनों को खरीदने और इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित होगा।

जिससे अंतिम उपभोक्ता तक पहुंच का मुद्दा हल होगा। अतिरिक्त सब्सिडी से इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना और सस्ता बैठेगा। इससे आम उपभोक्ता इन वाहनों को खरीदने और इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित होगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केन विलियमसन के बर्थडे पर बोले जिमी नीशम, इस चीज से कतराते हैं हमारे कप्तान

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन जोकि शनिवार को 30 साल के हो गए हैं, उन्हें सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं लेना पसंद नहीं है। उक्त खुलासा विलियमसन की टीम के साथी और ऑलराउंडर जिमी नीशम ने किया। दरअसल, नीशम से ट्विटर पर पूछा गया था कि उन्होंने विलियमसन के जन्मदिन पर कुछ भी पोस्ट क्यों नहीं किया। इसपर नीशम ने लिखा- यदि आप केन को अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप सबसे अच्छा उपहार जानते हैं कि आप उसे क्या दे सकते हैं। वह इंस्टाग्राम पर जन्मदिन की शुभकामनाएं मिलने को महत्व नहीं देता। विलियमसन और नीशम न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे जो 2019 विश्व कप के फाइनल में पहुंचे थे। पिछले महीने, न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ग्लेन टर्नर ने कठिन बल्लेबाजी की स्थिति में विलियमसन को भारतीय कप्तान विराट कोहली से आगे रखा था। कोहली और विलियमसन को आधुनिक क्रिकेट में दो बेहतरीन बल्लेबाज माना जाता है। नवीनतम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग के अनुसार, कोहली और विलियमसन को क्रमश- दूसरे और चौथे स्थान पर बने हुए हैं। बहरहाल, टर्नर ने कहा था कि कोहली के पास स्विंग पिचों पर खेलने का तजुर्बा नहीं है। जबकि विलियमसन ने ऐसी परिस्थितियों में अधिक खेला है। टर्नर बोले- मैं केवल इतना ही कहूंगा कि कठिन बल्लेबाजी परिस्थितियों में, मैं कोहली से आगे विलियमसन को रखूंगा।

मेलबर्न में कोरोना के बढ़ते केस के कारण सिडनी में 26 दिसंबर से हो सकता है बॉक्सिंग-डे टेस्ट

बेंगलुरु ।

मेलबर्न में कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण इस साल 26 दिसंबर को भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाला बॉक्सिंग डे टेस्ट सिडनी में खेला जा सकता है। ऐसा हुआ, तो इस मैदान पर सीरीज के लगातार दो टेस्ट खेले जाएंगे। दोनों देशों के बीच इस साल 3 दिसंबर से 4 टेस्ट की सीरीज खेली जानी चाहिए। सीरीज के शेड्यूल के मुताबिक, दोनों देशों के बीच तीसरा टेस्ट मेलबर्न में 26-30 दिसंबर तक होना है, जबकि चौथा सिडनी में 3-7 जनवरी तक होगा। सिडनी ने बॉक्सिंग-डे टेस्ट की मेजबानी की पेशकश की है। क्रिसमस के अगले दिन 26 दिसंबर को होने वाले मैच को बॉक्सिंग डे टेस्ट कहा जाता है। जबकि साल का पहला मैच न्यू ईयर टेस्ट कहलाता है। बॉक्सिंग-डे टेस्ट की मेजबानी मिली तो खुशी होगी- शेफर्ड सिडनी क्रिकेट ग्राउंड ट्रस्ट चेयरमैन टोनी शेफर्ड ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा कि हम बॉक्सिंग-डे टेस्ट की मेजबानी करके काफी खुश होंगे। क्योंकि यह बड़ा स्पोर्ट्स इवेंट है। यह सिडनी शहर और यहां के लोगों के लिए भी अच्छा होगा। अगर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) इसके लिए तैयार होता है, तो हम इस मैच को होस्ट करने के लिए पूरी तरह सक्षम हैं। शेफर्ड ने कहा कि सिडनी में काफी बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं। ऐसे में अपनी टीम को खेलते देखना उन्हें भी अच्छा लगेगा, वो भी लगातार दो मैच में। यह उनके लिए सुनहरा मौका होगा। न्यू साउथ वेल्स ने भी सिडनी की मेजबानी का समर्थन किया सिडनी का दावा इसलिए भी मजबूत है, क्योंकि न्यू साउथ वेल्स स्टेट के डिप्टी प्रीमियर जॉन बारिलारो ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और विक्टोरिया प्रांत के ऑफिशियल्स को चिट्ठी लिखकर बॉक्सिंग-डे टेस्ट की मेजबानी सिडनी को देने के लिए कही है। दरअसल, मेलबर्न विक्टोरिया की राजधानी है। इधर, सीए जल्द ही इस मसले पर मीटिंग करेगा और इसमें बॉक्सिंग-डे टेस्ट मेलबर्न की बजाय किसी दूसरे शहर में शिफ्ट करने पर फैसला हो सकता है। एडिलेड और पर्थ को भी बॉक्सिंग-डे टेस्ट की मेजबानी मिल सकती है ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड सिडनी के अलावा एडिलेड और पर्थ में भी बॉक्सिंग-डे टेस्ट कराने की संभावनाएं टटोल सकती है। इन दोनों शहरों में कोरोना के एक्टिव केस कम हैं। वहीं, दोनों स्टेडियम के पास ही अच्छे होटल्स हैं। जहां टीमें ठहर सकती हैं और उन्हें बहुत ज्यादा ट्रैवल भी नहीं करना पड़ेगा।ऑस्ट्रेलिया में होने वाला टी-20 वर्ल्ड कप अब 2022 में होगा कोरोना के कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की आर्थिक स्थिति पहले से ही खराब है। उसके लिए टीम इंडिया का दौरा अहम है। ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड को पहले ही टी-20 वर्ल्ड कप टलने के कारण काफी नुकसान हुआ है। ऑस्ट्रेलिया में इस साल अक्टूबर-नवंबर में टी-20 वर्ल्ड कप होना था। अब यह टूर्नामेंट 2022 में यहां होगा।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 दिसंबर से 4 टेस्ट की सीरीज भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच इस साल दिसंबर में 4 टेस्ट की सीरीज खेली जानी है। पहला टेस्ट 3-7 दिसंबर तक ब्रिसबेन, दूसरा 11-15 दिसंबर तक एडिलेड, तीसरा 26-30 दिसंबर मेलबर्न और चौथा 3-7 जनवरी तक सिडनी में खेला जाएगा।

पाकिस्तान के हिंदू क्रिकेटर कनेरिया बोले- मैंने कभी धर्म का कार्ड नहीं खेला

बेंगलुरु ।

स्पॉट फिक्सिंग मामले में आजीवन प्रतिबंध झेल रहे पाकिस्तान के हिंदू क्रिकेट दानिश कनेरिया ने फिर से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) पर भेदभाव का आरोप लगाया। दानिश ने भारत के एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि मेरी लड़ाई पीसीबी से है। बोर्ड ने करप्शन की जानकारी छुपाने वाले उमर अकमल की निलंबन की सजा तो कम कर दी, लेकिन मुझे रियायत नहीं दी। उन्होंने कहा कि पीसीबी का बाकी खिलाड़ियों के साथ बर्ताव अच्छा है, लेकिन जब मेरी बात आती है, तो क्रिकेट बोर्ड ने हमेशा मुझे दरकिनार किया है। मुझे इसका बहुत अफसोस है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान के लिए क्रिकेट खेलना मेरे लिए गर्व की बात है। अपने देश के लिए खेलना, हिंदू क्रिकेटर होना और टीम के लिए मैच जीतना मेरे लिए किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं। लोग मुझ पर धर्म का कार्ड खेलने का आरोप लगाते हैं, लेकिन मैंने कभी ऐसा नहीं किया। कनेरिया ने उमर अकमल की निलंबन की सजा कम करने के पीसीबी के फैसले की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि बोर्ड करप्शन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस पॉलिसी की बात करता है। अकमल करप्शन की जानकारी छुपाने का दोषी पाया गया था, फिर भी उस पर लगे बैन की सजा को आधा कर दिया। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने अकमल को रियायत दी। मोहम्मद आमिर, मोहम्मद आसिफ और सलमान बट्ट इंग्लैंड में फिक्सिंग के दोषी पाए गए थे, फिर भी उन्हें वापस आने की इजाजत दी गई, तो फिर मुझे क्यों छोड़ दिया? मेरे मामले में उन्होंने क्यों नहीं थोड़ी नरमी दिखाई? वे कहते हैं कि मैं अपने धर्म के बारे में बात करता हूं, लेकिन जब मुझे अपने साथ भेदभाव साफ नजर आए, तो फिर मैं क्या बोलूं। दानिश पिछले कुछ महीनों से अपने क्रिकेट करियर को लेकर दिए बयानों के कारण सुर्खियों में बने हुए हैं। उन पर 2012 में स्पॉट फिक्सिंग में शामिल होने पर इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आजीवन प्रतिबंध लगाया था और वे तब से ही इसे हटाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

विश्व शतरंज ऑनलाइन ओलंपियाड - भारत के मुक़ाबले 21 अगस्त से

नई दिल्ली । विश्व शतरंज ओलंपियाड के मुक़ाबले शुरू हो चुके है और भारतीय शतरंज रेमियों को भारतीय टीम के खेलने का इंतजार है । दरअसल विश्व शतरंज ओलंपियाड में रिकॉर्ड 164 देश भाग ले रहे है ऐसे में वरीयता के आधार पर टीमों को 5 वर्गों में बांटा गया है जो कुछ इस प्रकार है बेस डिवीजन ,4,3,2 डिवीजन और टॉप डिवीजन जहां क्रमवार एक एक वर्ग के मुक़ाबले हो रहे है और निचले वर्ग से टीम उपर के वर्ग में स्थान बना रही है । अब तक डिवीजन 2 के मुक़ाबले हो चुके है और डिवीजन 3 के मुक़ाबले खेले जा रहे है । टॉप डिवीजन में भारतीय टीम 21 से 23 अगस्त के दौरान 9 मुक़ाबले खेलेंगी और अगर वह शीर्ष 3 में रही तो प्ले ऑफ के लिए अपना स्थान बनाने में कामयाब रहेगी । भारतीय टीम की कप्तानी युवा ग्रांड मास्टर विदित गुजराती को दी गयी है जबकि टीम में उनके अलावा 5 बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद ,पेंटाला हरिकृष्णा ,विश्व महिला रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली , आर वैशाली ,जूनियर वर्ग से निहाल सरीन ,आर प्रग्गानंधा ,दिव्या देशमुख और वन्तिका अग्रवाल खेलते नजर आएंगी ।

हॉकी कप्तान मनप्रीत सिंह के अलावा 5 प्लेयर कोविड-19 पॉजीटिव

बेंगलुरु ।

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह समेत पांच खिलाड़ियों को बेंगलुरू में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के राष्ट्रीय खेल उत्कृष्टता केंद्र में राष्ट्रीय हॉकी शिविर में रिपोर्ट करने के बाद कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया। मनप्रीत के अलावा डिफेंडर सुरेंदर कुमार, जसकरण सिंह और ड्रैग फ्लिकर वरूण कुमार पॉजिटिव पाए गए हैं। ये खिलाड़ी घर पर ब्रेक के बाद टीम के साथ शिविर के लिये पहुंचे थे। बाद में पता चला कि गोलकीपर कृष्णा बी पाठक भी कोरोना जांच में पॉजिटिव पाये गए हैं। उनकी रिपोर्ट के बारे में राज्य सरकार ने जानकारी दी। साइ को अभी तक उनकी रिपोर्ट मिली नहीं है। मनप्रीत ने साइ द्वारा जारी बयान में कहा- मैं साइ परिसर में अकेला पृथकवास में हूं और जिस तरह से साइ अधिकारियों ने हालात को संभाला, उससे खुश हूं। मैं खुश हूं कि उन्होंने सभी खिलाड़ियों का परीक्षण अनिवार्य किया है। इस कदम से सही समय पर वायरस से संक्रमण का पता चल जाएगा। मैं ठीक हूं और जल्द ही उबरने की उम्मीद है। ये खिलाड़ी एक महीने से ब्रेक पर थे। इससे पहले लॉकडाउन के कारण दो महीने से अधिक समय तक बेंगलुरू के साइ केंद्र पर फंसे हुए थे । साइ की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार- साइ ने शिविर में रिपोर्ट करने वाले सभी खिलाड़ियों का पहुंचने पर रैपिड कोविड-19 परीक्षण कराना अनिवार्य किया है। पॉजिटिव आये इन सभी खिलाड़ियों ने एक साथ ही यात्रा की थी तो पूरी संभावना है कि घर से बेंगलुरू पहुंचते हुए उनसे वायरस फैला होगा। विज्ञप्ति में कहा गया- सभी चार खिलाड़ियों को रैपिड परीक्षण में नेगेटिव पाया गया था। लेकिन

मनप्रीत और सुरेंद्र में बाद में कुछ कोविड-19 के लक्षण दिखायी दिये तो उन्हें और उनके साथ यात्रा करने वाले अन्य 10 खिलाड़ियों के साथ गुरूवार का आरटी-पीसीआर परीक्षण कराया गया जिसमें ये चार कोविड-19 पॉजिटिव निकले। उनके नतीजे हालांकि अभी साइ को सौंपे नहीं गये हैं लेकिन राज्य सरकार ने साइ अधिकारियों को इनके बारे में बता दिया और कुछ परीक्षण के नतीजों का अब भी इंतजार है। शिविर के लिए रिपोर्ट करने वाले मनप्रीत सहित सभी खिलाड़ी स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार पृथकवास में रह रहे हैं और वायरस के संक्रमण की संभावना को रोकने के लिए उन्हें एहतियाती कदम के अनुसार अलग रखा गया था। इन पृथक खिलाड़ियों ने शिविर में मौजूद अन्य खिलाड़ियों से बातचीत नहीं की थी।

राज्य सरकार और साइ की मानक परिचालन प्रक्रिया का शिविरों में कड़ाई से पालन किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

केन विलियमसन के बर्थडे पर बोले जिमी नीशम, इस चीज से कतराते हैं हमारे कप्तान

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन जोकि शनिवार को 30 साल के हो गए हैं, उन्हें सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं लेना पसंद नहीं है। उक्त खुलासा विलियमसन की टीम के साथी और ऑलराउंडर जिमी नीशम ने किया। दरअसल, नीशम से ट्विटर पर पूछा गया था कि उन्होंने विलियमसन के जन्मदिन पर कुछ भी पोस्ट क्यों नहीं किया। इसपर नीशम ने लिखा- यदि आप केन को अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप सबसे अच्छा उपहार जानते हैं कि आप उसे क्या दे सकते हैं। वह इंस्टाग्राम पर जन्मदिन की शुभकामनाएं मिलने को महत्व नहीं देता। विलियमसन और नीशम न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे जो 2019 विश्व कप के फाइनल में पहुंचे थे। पिछले महीने, न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ग्लेन टर्नर ने कठिन बल्लेबाजी की स्थिति में विलियमसन को भारतीय कप्तान विराट कोहली से आगे रखा था। कोहली और विलियमसन को आधुनिक क्रिकेट में दो बेहतरीन बल्लेबाज माना जाता है। नवीनतम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग के अनुसार, कोहली और विलियमसन को क्रमश- दूसरे और चौथे स्थान पर बने हुए हैं। बहरहाल, टर्नर ने कहा था कि कोहली के पास स्विंग पिचों पर खेलने का तजुर्बा नहीं है। जबकि विलियमसन ने ऐसी परिस्थितियों में अधिक खेला है। टर्नर बोले- मैं केवल इतना ही कहूंगा कि कठिन बल्लेबाजी परिस्थितियों में, मैं कोहली से आगे विलियमसन को रखूंगा।

क्रिस वोक्स का दावा- पाकिस्तान को हरा सकते हैं, सभी रिकॉर्ड टूटते हैं

मैनचेस्टर । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स का कहना है कि उनकी टीम ने पहले भी असंभव लगने वाली परिस्थितियों से निकलकर जीत दर्ज की है और उन्हें विश्वास है कि पाकिस्तान को पहले टेस्ट में हराने में वे कामयाब रहेंगे। पाकिस्तान के पास 244 रन की बढ़त हो गई है और ओल्ड ट्रैफर्ड में एक ही बार यह लक्ष्य हासिल किया जा सका है। इंग्लैंड ने पिछले साल हार की कगार पर पहुंचकर विश्व कप फाइनल और हेडिंग्ले टेस्ट जीता था। वोक्स ने बीबीसी स्पोर्टस से कहा- आप कई रिकार्ड और लक्ष्य हासिल करने के बारे में सुनेंगे लेकिन सभी रिकार्ड टूटते हैं। हमने ऐसे मैच भी जीते हैं जिनमें हमें हारा हुआ माना जा रहा था। हम ऐसा फिर कर सकते हैं।

कोहली की शादी पर धोनी ने कही थी संजय मांजरेकर को अहम बात, अब हुआ खुलासा

मुंबई । पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने शनिवार को खुलासा किया कि महेंद्र सिंह धोनी ने उन्हें कहा था कि जब तक वह टीम में सबसे तेज दौड़ने वाले खिलाड़ी को पछाड़ते रहेंगे, तब तक वह खुद को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए फिट समझेंगे। महशूर कमेंटेटर मांजरेकर ने कहा कि दो बार के विश्व कप विजेता पूर्व कप्तान के साथ उनकी 2017 में भारतीय कप्तान विराट कोहली की शादी के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके भविष्य को लेकर चर्चा हुई थी। मांजरेकर ने कहा- विराट कोहली की शादी के दौरान मेरी उनसे थोड़ी बात हुई थी और उन्होंने कहा था कि जब तक मैं टीम में सबसे तेज दौड़ने वाले खिलाड़ी को हरा रहा हूं, तब तक मैं खुद को अंतराष्ट्रीय क्रिकेट या उच्च स्तर के क्रिकेट में खेलने के लिए फिट समझूंगा। उन्होंने कहा- तेंदुलकर और धोनी जैसे लोग चैम्पियन क्रिकेटर हैं। एक बार वे सार्वजनिक मंच पर पहुंच जाते हैं तो, आप कभी भी धोनी को सार्वजनिक मंच जैसे क्रिकेट के मैदान पर, थोड़ा सा भी अनफिट नहीं देखोगे या वह भाग नहीं पा रहा, ऐसा नहीं देखोगे। धोनी का प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में अंतिम मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ 2019 विश्व कप सेमीफाइनल रहा था। चेन्नई सुपरकिंग्स की कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे जिसका आयोजन 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में होगा।

पाकिस्तान बोर्ड पर भड़का क्रिकेटर, कहा- दूसरों से अच्छा व्यवहार करते हैं, मेरे साथ किया भेदभाव

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि बोर्ड का अन्य खिलाड़ियों के साथ व्यवहार अच्छा है लेकिन बोर्ड ने उनके साथ भेदभाव किया है। कनेरिया दूसरे हिंदू खिलाड़ी है जो पाकिस्तान के लिए खेले हैं। उन पर इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने काउंटी मैच में स्पॉट फिक्सिंग के आरोप में आजीवन प्रतिबंध लगा दिया था। कनेरिया पाकिस्तान के बल्लेबाज उमर अकमल की सजा तीन साल से घटाकर 18 महीने किए जाने से नाराज है। उनका कहना है कि जीरो टॉलरेंस की नीति सिर्फ उन पर ही लागू की गई है और अन्य क्रिकेटरों पर यह नियम लागू नहीं होता है। कनेरिया ने कहा, 'लोग धार्मिक कार्ड खेलने पर मुझे आड़े हाथों लेते हैं। मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता और ना ही मैंने कभी धार्मिक कार्ड खेला है। मेरा मुद्दा सिर्फ पीसीबी और उनके दोहरे रवैये पर है। पीसीबी का अन्य खिलाड़ियों के साथ व्यवहार अच्छा है लेकिन मुझे नजरअंदाज किया जाता है। मुझे इसका अफसोस है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के लिए खेलना मेरे लिए सम्मान की बात है। पाकिस्तान टीम का प्रतिनिधित्व करना और टीम के लिए मैच जीतना मेरे लिए उपलब्धि है तथा गर्व की बात है। 2012 से आजीवन प्रतिबंध झेल रहे कनेरिया अपना जीवन यापन करने के लिए क्रिकेट गतिविधियां शुरु करना चाहते हैं लेकिन पीसीबी का कहना है कि वह इस बारे में कुछ नहीं कर सकते क्योंकि उन पर प्रतिबंध ईसीबी ने लगाया है।

अख्तर का बड़ा खुलासा- इंजेक्शन लेकर खेला था वो मैच, धोनी को गुस्से में फेंकी थी बीमर

नई दिल्ली । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने खुलासा करते हुए कहा है कि उन्होंने 2006 में टेस्ट मैच के दौरान भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी को जानबूझकर बीमर गेंद फेंकी थी। अख्तर ने बताया कि यह मामला 2006 फैसलाबाद में भारत बनाम पाकिस्तान टेस्ट मैच का है। उन्होंने कहा कि इस मैच में पिच काफी सपाट थी और गेंदबाजी में पूरी कोशिश करने के बावजूद उन्हें सफलता नहीं मिल रही थी। 44 वर्षीय पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि उन्होंने धोनी को गुस्से में बीमर गेंद फेंकी थी क्योंकि वह उस दिन बेहतरीन तरीके से खेल रहे थे। उन्होंने कहा कि उनका घुटना 1997 से पूरी तरह बेकार हो गया था और वह उस मैच में काफी दर्द में थे तथा उन्होंने इंजेक्शन लेकर मैच खेला था। अख्तर ने कहा, '1997 से मेरे घुटने में तकलीफ है और यह किसी काम के नहीं रह गए हैं। इसके बावजूद मैं लड़ा और खेलने के लिए इंजेक्शन का इस्तेमाल किया। मेरे एक पैर की फिबुला हड्डी उस वक्त टूट गयी थी जब भारत ने पाकिस्तान का दौरा किया था उन्होंने कहा, 'धोनी फैसलाबाद टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे थे और उस मैच में विकेट काफी सपाट था। मैंने उस मैच में खेलने के लिए इंजेक्शन का इस्तेमाल किया था और मुझे इतना दर्द हो रहा था कि मैंने फैसला लिया था कि यह मेरा आखिरी टेस्ट मैच होगा। अख्तर ने आकाश चोपड़ा के साथ उनके यू-ट्यूब चैनल में कहा, 'मेरी फिबुला हड्डी पूरी तरह टूट गई थी। मैंने आठ-नौ ओवर तेजी से गेंदबाजी की लेकिन धोनी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे थे।

रोनाल्डो के 2 गोल के बावजूद चैम्पियंस लीग से बाहर हुई यूवेंटस

तूरिन । स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल की मदद से यूवेंटस की टीम शुक्रवार को दूसरे चरण के मैच में लियोन पर 2-1 से जीत दर्ज करने में सफल रही, लेकिन इसके बावजूद वह चैम्पियंस लीग से बाहर हो गई। लियोन और यूवेंटस का कुल स्कोर (दोनों चरण के मैचों का नतीजा) 2-2 रहा और लियोन की टीम 'अवे गोल की मदद से क्वार्टरफाइनल में पहुंचने में सफल रही। लियोन का सामना अब एलिमिनेशन क्वार्टरफाइनल में लिस्बन में मैनचेस्टर सिटी से होगा जिसने रियाल मैड्रिड को 2-1 से हराकर 4-2 के कुल स्कोर से अगले दौर में प्रवेश किया था। रोनाल्डो ने 43वें (पेनल्टी) और 60वें मिनट में गोल किया। लेकिन लियोन के कप्तान मेम्फिस डिपे के 12वें मिनट में पेनल्टी से किये गये गोल ने लियोन को क्वार्टरफाइनल में पहुंचाया। यह मैच 17 मार्च को होना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के चलते दुनिया भर में खेल गतिविधियां बंद हो गईं। अगर यह मैच उसी दिन हुआ होता तो शायद मेम्फिस डिपे इसमें नहीं खेले होते क्योंकि वह तब गंभीर घुटने की चोट से जूझ रहे थे।

स्पोर्ट्स वियर कंपनी प्यूमा रेस में सबसे आगे, बीसीसीआई ने नए टेंडर में पिछले के 88 लाख के मुकाबले

नई दिल्ली ।

बीसीसीआई ने टीम इंडिया के लिए नए किट स्पॉन्सर की तलाश शुरू कर दी है। इस रेस में जर्मनी की स्पोर्ट्स वियर कंपनी प्यूमा सबसे आगे है। एडिडास ने भी स्पॉन्सरशिप राइट्स हासिल करने में रुचि दिखाई है। हालांकि, बीसीसीआई की कम बोली लगाने के ऑफर के बाद भी नाइकी दोबारा टेंडर प्रोसेस में शामिल होगी या नहीं, यह अभी साफ नहीं है। बोर्ड ने नए टेंडर में बेस प्राइज घटा दी है। पिछली बार के 88 लाख रुपए के मुकाबले इस बार हर मैच के लिए बेस प्राइज 61 लाख रुपए तय की है। नाइकी ने 4 साल पहले 370 करोड़ में डील की थी नाइकी ने 2016 में बोर्ड से 370 करोड़ रुपए में 4 साल की डील की थी। इसके तहत कंपनी बोर्ड को हर मैच के लिए 88 लाख रुपए फीस और 30 करोड़ की रॉयल्टी भी देती थी। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने न्यूज एजेंसी को बताया कि प्यूमा ने 1 लाख रुपए फीस चुकाकर इन्विटेशन टू टेंडर (आईटीटी) खरीदा है। बीडिंग डॉक्यूमेंट खरीदने का मतलब यह नहीं है कि प्यूमा स्पॉन्सरशिप हासिल करने के लिए बोली लगाएगी। हालांकि, कंपनी के आईटीटी खरीदने से साफ है कि उसकी टीम इंडिया का स्पॉन्सर बनने में रूचि है। इसके अलावा एडिडास ने भी किट स्पॉन्सरशिप के रूचि दिखाई है। हालांकि, कंपनी बीडिंग में हिस्सा लेगी या नहीं, यह अभी साफ नहीं है। जानकारों के मुताबिक, यह जर्मन कंपनी ऑफिशियल मर्चेंडाइजिंग पार्टनर बनने के लिए अलग से निकाले गए टेंडर में जरूर बोली लगा सकती है। हालांकि, एक्सक्लूसिव मर्चेंडाइज प्रोडक्ट की बिक्री इस पर भी निर्भर करती है कि कंपनी के कितने एक्सक्लूसिव स्टोर या बिक्री केंद्र हैं। इस मामले में प्यूमा और एडिडास दोनों की स्थिति मजबूत है। प्यूमा के देश में 350 से अधिक, जबकि एडिडास के 450 आउटलेट हैं। प्यूमा ने आईपीएल के जरिए भारतीय बाजार में अपनी पकड़ बनाई है। इस ब्रांड से टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली और बल्लेबाज केएल राहुल भी जुड़े हुए हैं।

ऐसे में प्यूमा की कोशिश होगी कि वह टेंडर हासिल करे। स्पॉन्सरशिप मामले से जुड़े एक मार्केट एक्सपर्ट ने न्यूज एजेंसी को बताया कि कोरोना के कारण पहले से ही बाजार की हालात अच्छी नहीं है। ऐसे में अगर कोई नई कंपनी 200 करोड़ रुपए की बोली लगाकर 5 साल के लिए बीसीसीआई से किट स्पॉन्सरशिप राइट्स हासिल करती है, तो किसी को हैरानी नहीं होगी। यह नाइकी द्वारा 5 साल की डील के लिए चुकाई गई पिछली रकम से काफी कम होगा। उन्होंने कहा कि देखिए बोर्ड ने नाइकी को पेशकश की जो उसने ठुकरा दी। इसके मायने यही हैं कि या तो उसकी रुचि नहीं है या वह स्पॉन्सरशिप राइट्स हासिल करने के लिए और कम की बोली लगाना चाहता है। बीसीसीआई ने कुछ दिन पहले ही टीम इंडिया के लिए नया किट स्पॉन्सर तय करने के लिए टेंडर प्रोसेस शुरू की है। बीसीसीआई के मुताबिक, इन्विटेशन टू टेंडर (आईटीटी) के तहत जीतने वाले बिडर को किट स्पॉन्सर और ऑफिशियल मर्चेंडाइजिंग पार्टनर बनने का अधिकार मिल जाएगा। आईटीटी के अंदर टेंडर की पात्रता, शर्तें और कंडीशंस की जानकारी दी गई है। इसे 1 लाख रुपए की फीस चुकाकर 26 अगस्त तक खरीदा जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय-अमेरिकियों ने ओसीआई कार्ड यात्रा लाभ बहाल करने का स्वागत किया

वाशिंगटन।

भारतीय मूल के अमेरिकियों ने प्रवासी भारतीय नागरिक (ओसीआई) कार्ड धारकों को मिलने वाले लाभों को बहाल करने के भारत के फैसले का स्वागत किया है। इनमें बिना वीजा के देश की यात्रा भी शामिल है जिसपर कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के मद्देनजर रोक लगा दी गई थी। भारतीय मूल के लोगों को निश्चित शर्तों के साथ जीवनपर्यंत भारत की वीजा मुक्त यात्रा की अनुमति देने वाले ओसीआई कार्ड पर भारत सरकार ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन और कोविड-19 प्रकोप के चलते लागू यात्रा प्रतिबंधों के बीच 11 अप्रैल को रोक लगा दी थी। अचानक लिए गए इस फैसले से भारतीय मूल के लाखों लोगों में चिंता बढ़ गई थी। इनमें से कई ने अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए ट्विटर जैसे सोशल मीडिया मंचों का सहारा लिया था। बाद में ओसीआई कार्ड धारकों के लिए यात्रा प्रतिबंधों में कुछ छूट दी गई लेकिन ऐसा अब तक उन्हीं मामलों में हुआ है जो आपात श्रेणी में आते हों, जो काम के सिलसिले में यात्रा करना चाहते थे या नाबालिग ओसीआई कार्ड धारक थे जिनके परिजन भारतीय नागरिक हैं। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को, ओसीआई कार्ड धारकों के लिए अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस का पासपोर्ट रखने के लिए पूर्ण यात्रा सुविधाओं को बहाल करने के लिए अधिसूचना जारी की। भारत ने इन सभी देशों के साथ द्विपक्षीय हवाई यात्रा समझौता किया है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम भंडारी ने कहा, हम अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस से ओसीआई कार्ड धारकों पर भारत सरकार के फैसले का स्वागत करते हैं। यह लंबे समय से अटका हुआ था। यह फैसला और इन देशों के साथ हुआ हवाई यात्रा समझौता भारतीय मूल के हजारों लोगों को बेवजह होने वाली परेशानी से निजात दिलाएगा। पिछले कई वर्षों से ओसीआई कार्ड धारकों का मुद्दा उठा रहे भंडारी ने कहा कि अचानक से ओसीआई कार्ड धारकों पर प्रतिबंध लगाना, भले ही यह वैश्विक महामारी के दौर में किया गया हो लेकिन इससे भारतीय मूल के हजारों लोगों को परेशानी हुई। उन्होंने कहा, अगर हम इस तरह के संकट के दौरान भारत में शरण नहीं लेंगे, तो और कौन हमारी मदद करेगा? जयपुर फुट यूएसए के प्रमुख, भंडारी यात्रा प्रतिबंध हटाने के लिए भारतीय-अमेरिकी ओसीआई कार्ड धारकों की ओर से किए।

विश्वभर के मुस्लमानों का मसीहा बनने में जुटे इमरान खान, मोदी को बता रहे हिटलर

जम्मू।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अपने देश के लोगों का ध्यान उनकी सरकार की नाकामियों से हटाने की भरपूर कोशिश कर रहे हैं। इसी के साथ ही वह इस तरफ भी लगे हुये हैं कि इंटरनेशनल समुदाय का ध्यान पाकिस्तान की सरजमीन पर पनप रहे आतंकवाद से हटे और ऐसे में खान अब मुस्लमानों के मसीहा बनने की भरपूर कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने तो मोदी को हिटलर करार दे दिया है। हैरानगी की बात यह है कि कश्मीर के मुस्लमानों का दुख समझने का दावा करने वाला पाकिस्तान अपने दोस्त चीन के उइगर मुस्लमानों के दर्द से अनभिज्ञ है। इमरान खान जब भी मुंह खोलते हैं तब ही वो कश्मीर को लेकर भारत पर निशाना साधते हैं। उन्होंने कई बार प्रधाानमंत्री मोदी पर नरसंहार का आरोप भी लगाया है। बुधवार को इमरान खान ने कहा कि कश्मीरी लोगों के प्रति भारत की आक्रमताा को हम स्वीकार नहीं करेंगे और न ही कश्मीरी। उन्होंने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मुज्फराबाद में एक रैली भी निकाली। परन्तु उनके पड़ोसी चीन में उइगर मुस्लमानों के साथ हो रही बर्बरता के सबूत होने के बाद भी खान की चुप्पी बरकरार है।

डॉन अखबार में हुमा युसुफ लिखती हैं कि उइगर मुस्लमानों की हालत पर पाकिस्तान की चुप्पी कश्मीरी मुस्लमानों के लिए उसकी बेबाकी को प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर देती है। खान कह चुके हैं कि दोनों मुददे अलग हैं परन्तु यह तर्क प्र्याप्त नहीं है। यूएस आधारित एक कार्यक्रम में एशिया प्रोग्राम के डिप्टी डायरेक्टर मिशेल कुगलीमन ने कहा कि यह तर्क न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अपना स्टेंडर्ड हाई रखना चाहिये क्योंकि जब वो कश्मीरी या फिर भारतीय मुस्लमानों की बात करता है तो बहुत नीतियां बताता है और शोर मचाता है पर उइगर मुस्लमानों को लेकर उसके पास कुछ नहीं है। भारत और पाकिस्तान दोनों ही कश्मीर को लेकर लड़ते आ रहे हैं।

अमेरिका: डूब रहे बच्चों को बचाने नदी में कूद गया भारतीय सिख युवक, नहीं लौटा कभी वापस

नेशनल डेस्क।

दुनिया में इंसानियत कहीं ना कहीं अभी भी जिंदा है। आज भी दुनिया में कुछ लोग ऐसे हैं जो अपनी जिंदगी को दांव पर लगाकर दूसरों को नया जीवन दे देते हैं। ऐसा ही कुछ किया अमेरिका में रह रहे सिख युवक ने जो तीन बच्चों को बचाते बचाते अपनी जान गंवा बैठे। यह दुखद हादसा हुआ 5 अगस्त को। दरअसल दो वर्ष पहले ही भारत से अमेरिका आए मनजीत घटना के दिन अमेरिका के रेंडले समुद्री तट पर गए थे। वहां उन्होंने देख कि 3 बच्चे किंग्स नदी में डूब गए ऐसे में मनजीत ने अपनी परवाह ना करते हुए नदी में छलांग मार ली। वह एक लड़के और लड़की को तो पानी से बाहर निकालने में कामयाब रहे लेकिन एक लड़की 15 मिनट तक पानी में डूबी रही। मनजीत उस बच्ची को बचाने फिर नदी में कूद गए, बच्ची को बाहर निकल गए लेकिन सिख युवक नदी में बह गया और फिर कभी वापिस नहीं आया। 5 अगस्त को मनजीत की ट्रेनिंग का पहला दिन था लेकिन उन्हे क्या पता था कि वो उनकी जिंदगी का आखिरी दिन बन जाएगा। पुलिस कमांडर मार्क एडिगर ने बताया वह सिख युवक बच्चों को नहीं जानता था, इसके बावजूद भी उन्होंने बच्चों को बचाने के लिए अपनी जान दांव पर लगा दी।

एक गलती की वजह से हुआ बेरूत धमाका, चेतावनी को नजरअंदाज न करते तो बच सकती थी 154 लोगों की जान

बेरूत।

लेबनान के सीमा शुल्क अधिकारियों, सेना, सुरक्षा एजेंसियों और न्यायपालिका के अधिकारियों ने पिछले छह वर्ष में कम से कम 10 बार इस बात को लेकर चेतावनी दी थी कि बेरूत के बंदरगाह में विस्फोटक रसायनों का जखीरा पड़ा है और उसकी सुरक्षा लगभग न के बराबर है। हाल में सामने आए कुछ दस्तावेजों से यह पता चलता है। इन चेतावनियों पर जरा भी गौर नहीं किया गया और मंगलवार को 2,750 टन अमोनियम नाइट्रेट में विस्फोट हो गया जिससे देश के मुख्य वाणिज्यिक केंद्र में भयंकर तबाही मची तथा हर तरफ मौत और बर्बादी के मंजर देखे गए। राष्ट्रपति मिचेल औन ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें करीब तीन हफ्ते पहले खतरनाक रसायन भंडार के बारे में जानकारी दी गई थी और उन्होंने फौरन सैन्य तथा सुरक्षा एजेंसियों को आवश्यक कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी जिम्मेदारी वहां खत्म हो गई थी क्योंकि बंदरगाह पर उनका कोई अधिकार नहीं है। जब एक पत्रकार ने पूछा कि क्या उन्होंने यह देखा कि उनके आदेश का अनुपालन हुआ या नहीं, इस पर राष्ट्रपति ने कहा, आप जानते हैं कि कितनी सारी समस्याएं इकट्ठी हो गई हैं? विस्फोट के बाद से सोशल मीडिया पर चल रहे दस्तावेजों में लेबनान के लंबे समय से सत्तारूढ़ राजनीतिक कुलीनतंत्र के भ्रष्टाचार, लापरवाही और अक्षमता तथा लोगों को सुरक्षा समेत मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में विफलता की बातें सामने आयी हैं। विस्फोट की जांच कर रहे जांचकर्ताओं की नजर बेरूत बंदरगाह के कर्मचारियों पर है। अभी तक बंदरगाह के कम से कम 16 कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया है तथा अन्य से पूछताछ चल रही है। जांचकर्ताओं ने शुक्रवार को बंदरगाह के प्रमुख हसन कोरेयतम, देश के सीमा शुल्क प्रमुख बदरी दहर और दहर के पूर्ववर्ती को हिरासत में लेने का आदेश दिया। यह लेबनान के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा विस्फोट था।

संक्षिप्त समाचार

जर्मनी में कोरोना की नई लहर का खतरा, स्कूलों को खोलना पड़ा भारी

इंटरनेशनल डेस्क। जर्मनी में गर्मी की छुट्टियों के बाद कोरोना वायरस के बीच स्कूल खोलना भारी पड़ गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कोरोना वायरस की नई लहर के चलते गर्मियों की छुट्टियों के बाद खोले गए 2 स्कूलों के सैंकड़ों छात्रों को वापस भेज दिया गया और स्कूल बंद कर दिए गए। मेकलेनबर्ग-वेस्टर्न पोमेरमरिया राज्य में खुले स्कूलों में एक अध्यापक के कोरोना संक्रिमत पाए जाने के बाद छात्रों को घर वापस भेज दिया गया। सोमवार को माध्यमिक स्कूल को फिर से खोलने के बाद संक्रमित शिक्षक के बारे में पता चलने के बाद अब सभी 55 शिक्षकों को अब वायरस का परीक्षण करना होगा। जिला प्रशासन द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि स्कूल कम से कम बुधवार तक बंद रहेगा। इसके अलावा रोस्टॉक जिले के एक प्राथमिक स्कूल के 100 विद्यार्थियों को दो सप्ताह के लिए क्वारंटीन किया गया है। बता दें कि कुल 16 राज्यों में से मेकलेनबुर्ग-फोरपोमेर्न में सबसे पहले स्कूलों को खोला गया है और इसी के साथ वह पहला राज्य है जहां सभी 152,700 छात्रों को वापस स्कूल आने को कहा गया । इस साल मार्च के मध्य में स्कूल बंद होने के बाद से ऐसा पहली बार हुआ है कि सबको आने की अनुमति मिली है लेकिन महामारी की दूसरी लहर के बीच स्कूलों को फिर से बंद कर दिया गया है। हालांकि संक्रमण के खतरे को कम से कम रखने के लिए छात्रों को ऐसे समूहों में बांटा गया था लेकिन एक ही समूह के छात्रों को आपस में मिलने जुलने पर कोई पाबंदी नहीं न होने कारण छात्रों पर कोरोना का खतरा मंडरा रहा है। इन राज्यों की सरकारों द्वारा स्कूल खोलने की फैसले की कड़ी आलोचना की जा रही है।

पश्चिमी तट का भारत, अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में 'विशेष स्थान' है: राजदूत संधू

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के शीर्ष राजनयिक ने कहा है कि अमेरिका के पश्चिमी तट का दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में ''विशेष स्थान'' है। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने क्षेत्र में भारतीय-अमेरिकी समुदाय से आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभाने की अपील की। संधू ने पश्चिमी तट में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लोगों के साथ पहले डिजिटल संवाद के दौरान कहा कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, ''आपकी उद्यमिता की भावना और उच्च एवं अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता अमेरिका में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ाती है।'' संधू ने कहा, ''पश्चिमी तट का अमेरिका के साथ हमारी साझेदारी में अहम स्थान है। यहां भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने अपनी अलग पहचान बनाई है और वह इस क्षेत्र के आर्थिक विकास में बड़ा योगदान दे रहा है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका अपनी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' और 'स्टार्ट अप इंडिया' जैसे कार्यक्रमों में अहम साझीदार बन सकता है। संधू ने कहा कि गूगल और फेसबुक जैसी पश्चिमी तट की बड़ी कंपनियों की भारत में निवेश की हालिया घोषणा भारतीय अर्थव्यवस्था में उनके भरोसे को दर्शाती हैं।

अमेरिकी छात्र को सोशल मीडिया पर फोटो डालना पड़ा महंगा, स्कूल ने किया निलंबित

इंटरनेशनल डेस्क। कोरोना वायरस से देश ही नहीं दुनिया भी त्रस्त है। ऐसे में अमेरिका के एक छात्र ने अपने स्कूल की एक फोटो सोशल मीडिया पर डाल दी, जिसमें स्कूल के हॉल में छात्रों की भीड़ दिखाई दे रही थी। सोशल मीडिया पर फोटो वायरल होने के बाद छात्र को स्कूल से निलंबित कर दिया गया है। जॉर्जिया के डलास में नॉर्थ पॉलिंग हाई स्कूल के एक छात्र हन्ना वॉटर्स ने स्कूल जाने के पहले दिन भरे हॉल की एक फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की। वॉटर्स ने बताया कि उसे स्कूल के अंदर जैसा दिखता था उसे साझा करना था। इसलिए उसने यह तस्वीर ली और इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। वॉटर्स ने कहा, ÷वे उस इमारत में और काउंटी में हर किसी की सुरक्षा के लिए चिंतित थे, क्योंकि सीडीसी और दिशानिर्देश जो सीडीसी हमें महीनों से बता रहे थे, उनका पालन नहीं किया जा रहा था। वाटर्स ने कहा कि उसे फोटो पर निलंबित कर दिया गया है। स्कूल प्रबंधन ने कहा कि उसने तीन आचरण नीतियों का उल्लंघन किया है। निर्देश समय के दौरान अपने फोन का उपयोग करना, सोशल मीडिया के लिए स्कूल के घंटों के दौरान अपने फोन का उपयोग करना और छात्रों को फिल्माने और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करना। वाटर्स ने कहा जब तक स्कूल खत्म नहीं हो गया, तब तक उसने तस्वीर पोस्ट नहीं की। वाटर्स ने स्वीकार किया कि उसने सोशल मीडिया पर छात्रों की छवियों को पोस्ट करने की नीति को तोड़ दिया है।

हैंड सैनेटाइजर से अमेरिका में 4 लोगों की मौत

न्यूयॉर्क। अल्कोहल युक्त हैंड सैनेटाइजर कोरोना वायरस को फैलने से रोकने में मददगार साबित हो सकता है लेकिन ऐसे उत्पादों को पी लेना 4 राज्य के चार लोगों के लिए जानलेवा साबित हो गया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस हफ्ते जानकारी दी कि मई और जून में हैंड सैनेटाइजर पी लेने से एरिजोना और न्यू मेक्सिको में 15 वयस्कों के शरीर में जहर फैल गया। रोग नियंत्रण एवं बचाव केंद्र ने बताया कि इनमें से चार लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य को दृष्टि संबंधी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इन सभी ने उन सैनेटाइजरों का सेवन किया था जिसमें मेथेनॉल या वुड अल्कोहल था। वैध सैनेटाइजरों में कीटाणुओं को मारने वाली सामग्री में मुख्य रूप से इथाइल अल्कोहल होता है जिसका सेवन किया जा सकता है। लेकिन कुछ कंपनियां इसके स्थान पर जहरीले मेथेनॉल का प्रयोग कर रही हैं जो एंटीफ्रीज (किसी द्रव का जमाव बिंदु कम करने के लिए इस्तेमाल होने वाला योगज) में इस्तेमाल होता है। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जून में मेक्सिको में बनने वाले हैंड सैनेटाइजर जैल के प्रति आगाह किया था और कहा था कि इसमें काफी मात्रा में मेथेनॉल है। इसके बाद से ही, एफडीए लगातार ऐसे उत्पादों की सूची बढ़ा रहा था।

रूस बाइडेन को और चीन ट्रम्प को चुनाव जीतते नहीं देखना चाहता: अमेरिकी खुफिया अधिकारी

वाशिंगटन।

अमेरिका के एक खुफिया अधिकारी ने कहा कि देश में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव से पहले रूस डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है और क्रेमलिन से जुड़े लोग राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को पुनः चुनाव जीतते देखना चाहते हैं। अमेरिकी अधिकारी ने यह भी कहा कि चीन ट्रम्प को दोबारा राष्ट्रपति बनते देखना नहीं चाहता और वह अमेरिका में लोक नीति को आकार देने एवं चीन के हितों की विरोधी राजनीतिक हस्तियों पर दबाव बनाने के अपने प्रयास तेज कर रहा है। देश के खुफिया कार्यक्रम की रक्षा करने वाले 'नेशनल काउंटरइंटेलिजेंस एंड सिक्योरिटी सेंटर' (एनसीएससी) के प्रमुख विलियम इवानिना ने शुक्रवार को रूस के संबंध में यह बयान दिया। ऐसा माना जा रहा है कि ट्रम्प को पुन~ राष्ट्रपति चुने जाने के रूस के प्रयासों संबंधी अमेरिकी खुफिया समुदाय की यह सबसे स्पष्ट घोषणा है।

ट्रम्प के लिए यह एक संवेदनशील विषय है और उन्होंने खुफिया एजेंसी के इस आकलन को खारिज किया है कि रूस ने 2016 के चुनाव में उनकी मदद की कोशिश की थी। देश के पूर्ववर्ती ओबामा प्रशासन में यूक्रेन समर्थित और रूस के नेता व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ अमेरिका की नीतियों में उपराष्ट्रपति के रूप में बाइडेन की भूमिका के कारण रूस उनके विरुद्ध है। खुफिया अधिकारी के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर ट्रम्प ने शुक्रवार शाम कहा, ''मुझे लगता है कि रूस राष्ट्रपति पद पर जिस आखिरी व्यक्ति को देखना चाहेगा, वह डोनाल्ड ट्रम्प होगा क्योंकि रूस के खिलाफ मुझसे ज्यादा किसी ने सख्ती नहीं बरती।'' हालांकि वह इस बात पर सहमत होते प्रतीत हुए कि चीन उन्हें दोबारा राष्ट्रपति बनते नहीं देखना चाहता, ''यदि जो बाइडेन राष्ट्रपति होते, तो चीन हमारे देश को चलाता।''

कोरोना से विश्व में और बिगड़े हालात, 1.93 करोड़ से अधिक संक्रमित व करीब 7.20 लाख की मौत

इंटरनेशल डेस्क।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के कारण अब तक 1.93 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं तथा करीब 7.20 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। संक्रमितों के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे, मेक्सिको तीसरे और ब्रिटेन चौथे स्थान पर है जबकि भारत मृतकों की संख्या के मामले में पांचवें स्थान पर है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में 19,306,868 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 719,830 लोगों की मृत्यु हुई है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 4,941,635 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं तथा 161,328 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 2,962,442 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 99,572 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में कोरोना के बढ़ते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों में 49,769 लोग स्वस्थ हुए तथा 933 की मृत्यु हुई। इसके साथ ही देश में कोरोना से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 20,88,612 तथा मृतकों का आंकड़ा 42,518 हो गया है। देश में इस समय कोरोना के 619,088 सक्रिय मामले हैं। वहीं 1427006 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं। रूस कोविड-19 संक्रमित मामलों में चौथे नंबर पर है और यहां इसके संक्रमण से अब तक 875,378 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 14,698 लोगों ने जान गंवाई है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है जिसके कारण कोरोना से संक्रमित होने के मामले में दक्षिण अफ्रीका पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। यहां इससे अब तक 545,476 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 9,909 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं मेक्सिको में कोरोना से अब तक 469,407 लोग संक्रमित हुए हैं तथा इस वायरस से मरने वालों की संख्या 51,311 हो गयी हैं। पेरू में भी लगातार हालात खराब होते जा रहे है। यहां संक्रमितों की संख्या 463,875 हो गई तथा 20,424 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 से संक्रमित होने के मामले चिली अब आठवें नंबर पर पहुंच गया है। यहां इससे अब तक 368,825 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 9,958 है। वहीं कोलंबिया में इससे अब तक 357,710 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 11,939 लोगों की मृत्यु हुई है। ईरान संक्रमण के मामले में आठवें नंबर पर है। यहां अब तक इस महामारी से 322,567 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 18,132 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। वहीं स्पेन में कोरोना संक्रमितों की संख्या 310,696 है जबकि 28,503 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन में संक्रमितों की संख्या 309,796 हो गई है और 46,596 लोगों की इसके कारण मौत हुई है।

ट्रंप ने चीन को अब मेडिकल क्षेत्र में दिया झटका, किया बड़ा ऐलान

वॉशिंगटन। कोरोना वायरस, ट्रेड और दक्षिण चीन सागर जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर अमेरिका और चीन के बीच तनाव चरम पर चल रहा है।चीन की विस्तारवादी और कपटी नीतियों से खफा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ड्रेगन के खिलाफ बड़ा फैसला लिया है। ट्रंप ने चीन को बड़ा झटका देते हुए अमेरिका चीन और अन्य विदेशी देशों पर दवाइयों और चिकित्सा समबन्धी आपूर्ति के लिए अपनी निर्भरता समाप्त करने का ऐलान किया है। अमेरिका ने एग्जीक्यूटिव आर्डर जारी करते हुए लिखा है, अमेरिकी एजेंसियां अब अमेरिकी स्त्रतोतों से दवाइयां खरीदें । आदेश में यह भी कहा गया कि आगामी 4 वर्षों में अमेरिका चीन और अन्य देशों पर दवाई और फार्मास्यूटिकल्स की निर्भरता समाप्त कर देगा। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि, %चीन ने कोरोना वायरस फैला कर अमेरिका और दुनिया का बहुत नुकसान किया है। चाहे चीन की अक्षमता हो या उद्देश्य लेकिन ,कोरोना वायरस एक भयानक महामारी है जो अमेरिका के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए घातक है। ट्रंप ने चीन को चुनौती देते हुए कहा कि बीजिंग को अमेरिका और दुनिया पर कोरोनो फैलाने की कीमत चुकानी होगी। ट्रंप ने चीन पर अर्थिक हमला करते हुए कहा कि अगले चार वर्षों के दौरान, हम अपनी दवा और चिकित्सा संबंधी आवश्यकताओं को अपने राष्ट्र में पूरा कर लेंगे और हम चीन और अन्य विदेशी देशों पर निर्भरता को समाप्त करेंगे। इससे पहले भी राष्ट्रपति ट्रंप और कई देशों के नेताओं ने चीन पर कोरोना वायरस की सही जानकारी नहीं देने का आरोप लगाया है जिससे दुनिया भर में बड़े पैमाने पर मानव हताहत और आर्थिक संकट पैदा हो गया।

इसराईल ने खोज निकाला कोरोना वायरस खत्म करने का नायाब तरीका ! ईलाज को लेकर किया बड़ा दावा

यरुशलम।

पूरी दुनिया के वैज्ञानिक जहां कोरोना वायरस की वैक्सीन व उपचार खोजने में दिन रात एक कर रहे हैं वहीं इसराईल ने इसके ईलाज को लेकर बड़ा दावा किया है। इसराईली रक्षा मंत्री नफताली बेनेट का कहना है कि वैज्ञानिकों ने देश की प्रमुख बायोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट में कोरोना वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी विकसित करने का एक नायाब तरीका विकसित कर लिया है। इस लैब का दौरा करने के बाद रक्षा मंत्री ने बताया कि यह एंटीबॉडी मोनोक लोनल तरीके से कोरोना वायरस पर हमला करती है और बीमार लोगों के शरीर के अंदर ही कोरोना वायरस का खात मा कर देती है। बता दें कि इसराईल की यह सबसे प्रतिष्ठित लैब है जो सीधेतौर पर प्रधानमंत्री के दिशा निर्देशों के तहत काम करती है। सरकार की तरफ से दी गई जानकारी में कहा गया है कि लैब में बनाई गई एंटीबॉडी वैक सीन वायरस को निष क्रय कर देने में सहायक है। रक्षा मंत्री के कार्यालय से जारी बयान के मुताबिक इस एंटीबॉडी वैक सीन को विकसित करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और अब इसको पेटेंट कराने की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। इसके बाद इंस्टीट्यूट इसकी खुराक तैयार करने के लिए अंतरराष ट्रीय कंपनियों से संपर्क साधेगा। रक्षा मंत्री का कहना है कि उन् हें अपने देश के वैज्ञानिकों और उनके स टाफ पर गर्व है जिन् होंने कम समय में चमत्कार कर दिखाया है। उनके मुताबिक, ये एक बड़ी उपलब्धि है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मार्च में इसराईल के एक अखबार ने अपने स्त्रोतों के हवाले से खबर दी थी कि इस इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस की वैक सीन को तैयार कर लिया है। इसमें कहा गया था कि एक अन्य वायरस के जरिए शरीर में बनी एंटीबॉडी से इसका इलाज किया जा सकता है। इसी आधार पर इस वैक सीन को विकसित किया गया है हालांकि, उस वक्त सरकार की तरफ से इस रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा गया था कि फिलहाल ऐसा कुछ नहीं हुआ है। इसराईल को फरवरी में जापान और इटली समेत कुछ अन् य देशों से वायरस के पांच शिपमेंट हासिल हुए थे। इनको माइनस 80 डिग्री तापमान पर रखा गया था और बेहद गोपनीय तरीके से इन्हें इसराईल भेजा गया था। वैक सीन को विकसित करने के लिए इसराईल के वैज्ञानिकों ने लगातार कई घंटों तक काम किया है। खबर के मुताबिक, किसी भी वैक सीन के लिए जो सामान्य प्रक्रिया अपनाई जाती है उसमें इसका क लीनिकल टेस्टिंग काफी मायने रखती है।

हालांकि, ये पूरी प्रक्रिया ही काफी जटिल है और ये काफी लंबा समय लेती है। इस प्रक्रिया के दौरान किसी भी दवा के साइड इफेक्ट को भी देखा जाता है। इस प्रक्रिया से ये समझने में मदद मिलती है कि वैक सीन किस तरह के मरीजों पर क या असर दिखाती है। उल्लेखनीय कि इस डिफेंस इंस्टीट्यूट की स्थापना वर्ष 1952 में प्रफेसर और तत कालीन पीएम के वैज्ञानिक सलाहकार अर्नेस ट डेविड बेर्गमान ने की थी। यह संस थान चिकित सा विज्ञान की तकनीकों और संक्रामक बीमारियों से बचाव पर काम करता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुशांत मामले की जांच कर रहे आईपीएस विनय तिवारी बोले- कहा- क्वारंटीन नहीं होता तो...

पटना। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले की जांच के लिए मुंबई जाने के बाद पृथक-वास में रखे गए आईपीएस अधिकारी विनय तिवारी ने कहा कि दो अगस्त को उन्हें पृथक-वास में रखे जाने से पहले तक इस मामले में बिहार पुलिस की जांच काफी तेजी से और सही दिशा में आगे बढ़ रही थी। शहर के पुलिस अधीक्षक तिवारी ने मुंबई से शुक्रवार देर रात यहां हवाईअड्डे पर पहुंचने के बाद संवाददाताओं से कहा, मैंने अपने आधिकारिक दौरे के बारे में मुंबई में अपने समकक्षों को नियमानुसार सूचित कर दिया था। मैंने उनसे आवास और एक वाहन की व्यवस्था किए जाने का अनुरोध किया था। मेरी यात्रा और उसके मकसद के बारे में सभी जानते थे, इसलिए हवाईअड्डे पर मीडियाकर्मी अपने प्रश्नों के साथ मुझसे मिलने आए और मैंने उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। तिवारी अभिनेता की मौत के मामले में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी की जांच के लिए रविवार को मुंबई पहुंचे थे, जहां उन्हें कोविड-19 महामारी के मद्देनजर पृथक-वास में रहने के लिए कहा गया था। तिवारी को शुक्रवार को बिहार लौटने की अनुमति दे दी गई थी। तिवारी ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि यात्रा की पहले से जानकारी होने के बावजूद मुंबई में कोई उन्हें लेने हवाईअड्डा नहीं आया। उन्होंने कहा, बहरहाल, मैं एक अतिथि गृह में रुका और इसके बाद मैं 27 जुलाई से मुंबई में ठहरे हुए अपनी टीम के सदस्यों से मिलने और हालात का जायजा लेने गया। मुझे रात करीब 10 बजे बीएमसी प्राधिकारियों का फोन आया और उन्होंने कहा कि मुझे पृथक-वास में रहना होगा। कानून का पालन करने वाला व्यक्ति होने के नाते मैं अतिथि गृह लौट आया और मैंने पूरा सहयोग किया। तिवारी ने कहा, हम सभी यह देख रहे हैं कि जिस मुंबई में हर रोज बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं, वहां कुछ ही लोगों को इस तरीके से पृथक-वास में रखा जा रहा है। मेरे चार कनिष्ठों को भी पृथक-वास में नहीं रखा गया। अब, आप बात को समझने की कोशिश कीजिए। उन्होंने साथ ही कहा कि वह उन्हें पृथक-वास में रखे जाने के कारण किसी भी व्यक्ति विशेष पर दोषारोपण नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा पटना में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर जांच करना हमारा संवैधानिक अधिकार और दायित्व था। दो अगस्त तक चीजें आगे बढ़ रही थीं। इसके बाद सब पटरी से उतर गया। यह पूछे जाने पर कि क्या जांच में रिया चक्रवर्ती और मुंबई पुलिस के बीच किसी मिलीभगत की बात सामने आई है, जैसा कि राजपूत के पिता ने आरोप लगाया है तो तिवारी ने कहा, मैं इस पर कुछ नहीं कहूंगा। ऐसा करना अनुचित होगा। उन्होंने कहा, लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि 10 दिन में हमारी जांच काफी तेजी से और सही दिशा में आगे बढ़ी थी। राजपूत के पिता के के सिंह ने चक्रवर्ती और अन्य के खिलाफ राजीव नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया था, जिसकी जांच राज्य सरकारी की सिफारिश पर सीबीआई को सौंप दी गई है।

चीनी उत्पादों के विरोध में सड़कों पर उतरे लोग, चीनी बायकॉट, हिंदी चीनी बाय-बाय के नारे लगाए

इंदौर। इंदौर में स्वदेशी जागरण मंच के बैनर तले बड़ी संख्या में लोग रीगल तिराहे पर चीनी सामान का विरोध करने पहुंचे। इस दौरान हिंदी चीनी बाय-बाय.. चीनी वस्तु बाय-बाय... चाइना आइटम खरीदना बंद करो... चीनी बायकॉट... कुछ ऐसे ही स्लोगन लेकर चीन के विरोध में जमकर नारेबाजी भी की और स्वदेशी सामान खरीदने की अपील की। विरोध प्रदर्शन में कई साधु-संत भी हुए शामिल। इंदौर के रीगल चौराहे पर स्वदेशी जागरण मंच के बैनर तले लोग चीनी सामान का विरोध करने पहुंचे थे। लोगों का कहना था कि चीन सीमा पर लगातार भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देता है साथ ही आतंकवाद को भी बढ़ावा देता है। ऐसे में चीनी सामान का बहिष्कार किया जाना चाहिए। इस दौरान लोगों के हाथ में तख्तियां भी थी जिस पर चीन के विरोध में नारे लिखे हुए थे। कार्यकर्ताओं ने चीन के विरोध में जमकर नारेबाजी भी की गई और चीनी सामान न खरीदने की अपील भी गई। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि चीन सीमा पर भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है, जिसका भारतीय सैनिकों द्वारा डटकर मुकाबला किया जा रहा है, ऐसे में देश में स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर हमारे देश के सैनिकों के सम्मान को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है।

यौन उत्पीड़न मामला: बच्ची की हालत नाजुक, हो सकती है एक और सर्जरी

नई दिल्ली। शारीरिक प्रताड़ना और यौन उत्पीड़न का शिकार हुई 12 वर्षीय बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई है और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बच्ची को बृहस्पतिवार रात को अस्पताल के न्यूरो सर्जरी आईसीयू में स्थानांतरित किया गया। अस्पताल के सूत्रों ने न्यूज एजेंसी से कहा, उसकी हालत नाजुक है और वह वेंटिलेटर पर है। उसे न्यूरो सर्जरी की आवश्यकता पड़ सकती है लेकिन उसके प्लेटलेट कम हैं। उसकी हालत पर नजर रखी जा रही है। उसके सिर पर गंभीर चोट आई हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने फोन पर बच्ची के माता पिता और डॉक्टर से बात की है। केजरीवाल ने ट्वीट किया, यौन उत्पीड़न का शिकार हुई 12 वर्षीय बच्ची के डॉक्टरों और माता पिता से मैंने फोन पर बात की है। कल अस्पताल जाकर मैंने बच्ची का हालचाल लिया था। वह जिंदगी और मौत से जूझ रही है। डॉक्टर पूरी कोशिश कर रहे हैं। कृपया उसके लिए प्रार्थना करें। इस बीच पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।÷ मंगलवार को कृष्ण नामक एक 33 वर्षीय व्यक्ति ने पश्चिमी दिल्ली स्थित बच्ची के घर में घुसकर उसका यौन उत्पीड़न किया और उसके चेहरे और सिर पर तेज धार वाले हथियार से वार किया। एम्स के एक वरिष्ठ डॉक्टर ने बृहस्पतिवार को बताया था कि बच्ची का मलाशय और आंतें बुरी तरह जख्मी थीं।

लैंडिंग के काबिल नहीं था कोझिकोड रनवे, 9 साल पहले मिली चेतावनी की गई नजरअंदाज

नेशनल डेस्क। केरल के कोझिकोड एयरपोर्ट पर हुए विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। दुबई से आ रहा एअर इंडिया एक्सप्रेस का एक विमान करीपुर में कालीकट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर लैंडिंग के दौरान रनवे पर फिसल गया और गहरी खाई में जा गिरा, इसमें सवार 18 लोगों की मौत हो गई व सैंकड़ों घायल हो गए। दिल दहला देने वाले इस हादसे के पीछे लापरवाही सामने आई है। सूत्रों की मानें तो 9 साल पहले ही चेतावनी दी गई थी कि कोझिकोड हवाई अड्डा लैंडिंग के लिए सुरक्षित नहीं है। सेफ्टी अडवाइजरी कमिटी के सदस्य मोहन रंगनाथन ने कहा था कि यह एक ढलान वाला टेबलटॉप रनवे है। इसके अलावा रनवे के आखिरी में पर्याप्त बफर जोन भी नहीं है। एक्सपट्र्स के मुताबिक रनवे के आखिरी में कम से कम 240 मीटर का बफरजोन होना चाहिए लेकिन कोझिकोड के रनवे पर यह केवल 90 मीटर का ही है। इतना ही नहीं केरल के चार हवाई अड्डों में से कोझिकोड हवाई अड्डे पर सबसे छोटा रनवे है। रंगनाथन ने बताया कि 2011 में उन्होंने सीविल एविएशन सेफ्टी अडवाइजरी कमिटी को एक पत्र लिखा था जिसमें कहा था कि रनवे 10 को लैंडिंग के लिए सही नहीं माना जाना चाहिए ।

भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में पश्चिमी तट का 'विशेष स्थान : राजदूत संधू

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के शीर्ष राजनयिक ने कहा है कि अमेरिका के पश्चिमी तट का दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में ''विशेष स्थान है। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने क्षेत्र में भारतीय-अमेरिकी समुदाय से आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभाने की अपील की। संधू ने पश्चिमी तट में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लोगों के साथ पहले डिजिटल संवाद के दौरान कहा कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, ''आपकी उद्यमिता की भावना और उच्च एवं अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता अमेरिका में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ाती है। संधू ने कहा, ''पश्चिमी तट का अमेरिका के साथ हमारी साझेदारी में अहम स्थान है। यहां भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने अपनी अलग पहचान बनाई है और वह इस क्षेत्र के आर्थिक विकास में बड़ा योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपनी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ 'मेक इन इंडिया, 'डिजिटल इंडिया और 'स्टार्ट अप इंडिया जैसे कार्यक्रमों में अहम साझीदार बन सकता है। संधू ने कहा कि गूगल और फेसबुक जैसी पश्चिमी तट की बड़ी कंपनियों की भारत में निवेश की हालिया घोषणा भारतीय अर्थव्यवस्था में उनके भरोसे को दर्शाती हैं।

बासमती चावल की जीआई टैगिंग: शिवराज सिंह ने सोनिया से की कैप्टन अमरिंदर की शिकायत

भोपाल। बासमती चावल के भौगोलिक संकेतक दर्जे को लेकर पंजाब और मध्य प्रदेश के बीच विवाद गहराता जा रहा है। इसको लेकर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री किसानों को ढाल बनाकर अपनी बात पर अड़ गए हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखने के बाद अब सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। दरअसल, बासमती चावल अपनी भौगोलिक पहचान को लेकर इन दिनों कानूनी विवाद में उलझा हुआ है। करीब 12 साल से चल रही ये लड़ाई अब सुप्रीम कोर्ट जा पहुंची है। मामला मध्य प्रदेश समेत अन्य सात राज्यों से जुड़ा हुआ है। शिवराज सिंह चौहान द्वारा बासमती चावल को मध्य प्रदेश की जीआई टेंगिंग की मांग के विरोध में पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने पत्र लिखा तो मामला बिगड़ गया और अब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने शुक्रवार को इसी मसले पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है । साथ ही पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह की सोनिया गांधी से शिकायत की है। शिवराज सिंह ने पत्र में कहा कि अत्यंत दुख हो रहा कि कांग्रेस शासित राज्य पंजाब के मुख्यमंत्री अमरेंद्र सिंह अनुचित एवं दुर्भावनापूर्ण बात कर रहे हैं। उनकी बात किसान विरोधी और मध्य प्रदेश विरोधी है ।

तीन बेटियों को रस्सी से बांधकर कुएं में कूदा पिता, छोटी सी वजह ने लील ली 4 जिंदगियां

भिंड। भिंड जिले के दबोह थाना क्षेत्र में एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। जहां ग्राम अंधियारी में एक पिता ने अपनी तीन बेटियों के साथ कुंए में कूदकर जान दे दी। सुबह जब ग्रामीणों ने कुंए के अंदर तैरती लाशें देखीं तो वे घबरा गए और तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने तीन बच्चियों के शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अभी पिता की तलाश की जा रही है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। इस खौफनाक कदम के पीछे घरेलू कलेह बड़ा कारण बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार राजेश रजक(42) ने अपनी तीन बेटियों अनुष्का(10), चाइना(8) और संध्या को रस्सी से बांधा और फिर उनके साथ कुंए में कूद गया। बताया जा रहा है कि उसके एक बेटा भी था। वह मुंबई में मजदूरी करता था और लॉकडाउन में वापस घर आ गया था। इसके बाद उसका अपनी पत्नी सुमन के साथ अकसर मतभेद होता था। शुक्रवार रात को एक बार फिर से दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। इसके बाद राजेश आधी रात को तीनों बेटियों को लेकर कुंए के पास पहुंचा और उन्हें अपने साथ बांधकर कूद गया।

वैक्सीन आने तक आधे लोग हो चुके होंगे कोरोना से संक्रमित

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण की दिनोंदिन बिगड़ती स्थिति के बीच लगातार दूसरे दिन 61 हजार से अधिक नये मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या 20.89 लाख हो गयी है और 933 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 42,518 पर पहुंच गयी है। स्वस्थ होने वालों की दर में निरंतर हो रही वृद्धि के बावजूद संक्रमण के नये मामले बढने से देश में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों में 11,704 की बढ़ोतरी हुई जिससे इनकी संख्या 6,19,088 हो गयी है। राहत की बात यह है कि इस दौरान 48,900 लोगों के स्वस्थ होने से संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या भी 14,27,006 लाख पर पहुंच गयी। भारत की आबादी 130 करोड़ के करीब है। यदि इस हिसाब से देखें तो अभी एक प्रतिशत जनसंख्या भी प्रभावित नहीं हुई है। बहुत सारी बीमारियां हैं, जिनमें 15-20 प्रतिशत लोग प्रभावित होते हैं। इस हिसाब से चिंता की बात नहीं है। हां, बड़े शहरों से निकलकर छोटे शहरों, फिर गांव में जाकर कोरोना लोगों को संक्रमित कर रहा है। अब वहां जाकर ही यह खत्म होने की ओर बढ़ेगा। दिल्ली में मामले अब कम हो रहे हैं। हम ढलान पर हैं। मुंबई की बात करें तो वहां भी अब मामले कम होने लगे हैं, चेन्नई में भी स्थिति नियंत्रण में है। कोलकाता भी इसी तरह से है, जयपुर में मामले नहीं के बराबर हैं। वह शहर जहां विदेशी उड़ानें ज्यादा आती थीं, वहां पर कोरोना पहले फैला। दिल्ली में जुलाई के पहले सप्ताह में पीक था। उसके बाद से यहां मामले घटने लगे हैं। कुल मिलाकर यह कहूंगा कि आंकड़ों के हिसाब से देखें तो चिंता करने की जरूरत नहीं है। सीरो सर्वे सामने आया कि दिल्ली में बहुत सारे लोगों के भीतर कोरोना वायरस के एंटी बॉडीज हैं। मतलब उनको कोरोना हुआ और पता भी नहीं चला। ऐसे में साफ है कि लोगों को संक्रमण हो रहा है। बहुत सारे ऐसे केस हैं जो ऐसिंप्टोमेटिक हैं। लोग संक्रमित हो रहे हैं और ठीक होते जा रहे हैं। ऐसी स्थिति देखकर लोगों को समझना चाहिए कि कोरोना से डरने की बात नहीं है। बचाव करके रहना है बस। मैंने पहले भी कहा है कि लोग कोरोना से नहीं मर रहे हैं। लोग इसके डर से मर रहे हैं। वह लोग जो दूसरी बीमारियों से ग्रसित हैं वह ही कोरोना होने पर मौत का शिकार हो रहे हैं। रिकवरी रेट बहुत अच्छा है, भारत में यह 70-80 प्रतिशत तक जाएगा। स्वाइन फ्लू से अब तक दुनियाभर में 100 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। लेकिन, उसमें डेथ नहीं के बराबर होती है। इसलिए उसकी बात कम होती है। लेकिन, कोरोना से बचने के लिए जो कहा जा रहा है वह आज से नहीं काफी पुराने समय से कहा जाता है। यह कारगर भी है। जैसे दूरी बनाकर रहना, सफाई रखना, यह सब विज्ञान के अनुसार बताया गया है। जहां तक बात कोरोना पीड़ित के इलाज की है तो यदि किसी को सांस की दिक्कत है तो उसे ऑक्सीजन दी जाती है। किसी को अगर बुखार है तो उसके लिए दवा दी जाती है। मतलब कोरोना की दवा तो नहीं है, लेकिन सहायक दवाओं से लोगों को ठीक किया जा रहा है। सितम्बर मध्य तक 'पीक' निकल जाएगा मैं तो यही कहूंगा कि देश के लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि पीक कब आएगा। समझना चाहिए कि कोरोना के साथ अभी रहना है और उससे छुटकारा पा लेंगे ऐसा नहीं होने वाला अभी। यह वायरस अब साथ में रहने वाला है और जिन लोगों की इम्युनिटी खराब होगी उनको यह संक्रमित करेगा। हो सकता है बीच-बीच में छोटे-मोटे पीक आएं। लेकिन, जिस तरह से आंकड़े हैं उससे एक बात का संतोष है कि यह वायरस उतना मारक नहीं है। जितनी बड़ी संख्या में यह हुआ है, उसके अनुसार मृत्यु दर काफी कम है। अच्छी बात यह है कि भारत के लोगों में इसको मात देने की शक्ति है।

एयर इंडिया एयरपोर्ट के कोरोना पॉजिटिव मैनेजर से अमानवीय व्यवहार, एंबुलेंस से फुटपाथ पर उतारा

भोपाल। राजधानी भोपाल में कोरोना वायरस के मरीज के साथ अमानवीय व्यवहार का मामला सामने आया है। जहां विमान कंपनी एअर इंडिया के एयरपोर्ट मैनेजर 55 वर्षीय श्याम टेकाम की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उसे अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेस आई लेकिन अस्पताल को लेकर हुए विवाद के बाद उन्हें बीच सड़क पर ही उतार दिया। करीब घंटे भर मरीज सड़क किनारे बैठकर रोता रहा और राह चलते लोग उसे दिलासा देते रहे। इसके बाद उसे चिरायु अस्पताल भर्ती किया गया। जानकारी के अनुसार एयरपोर्ट मैनेजर श्याम टेकाम को शुक्रवार सुबह फोन पर बताया गया कि वे कोरोना पॉजिटिव हैं। तब श्याम एयरपोर्ट पर ड्यूटी कर रहे थे। दोपहर करीब 1 बजे उनसे टीटी नगर स्थित अपने घर पहुंचने को कहा गया। श्याम जैसे-तैसे घर पहुंचे। इसके बाद काफी इंतजार करने पर और 15 कॉल करने के बाद हमीदिया से एक एंबुलेंस 5 बजे घर आई। ड्राइवर और स्टाफ ने उन्हें एंबुलेंस में बैठाया और सहमति के बाद हमीदिया ले जाने लगे। रास्ते में श्याम ने चिरायु ले जाने की बात कही तो ड्राइवर ने चिरायु जाने से इनकार कर दिया और श्याम को कमला पार्क के पास उतार दिया। टेकाम के अनुसार, वे पैदल ही राजाभोज सेतु तक गए, तभी एंबुलेंस दोबारा आ गई और उन्हें चिरायु ले जाने का कहकर बैठा लिया। बाद में वीआईपी रोड की पुलिस चौकी के पास उन्हें दोबारा गाड़ी से उतार दिया गया। पुलिस व प्रशासन के लोग भी वहां पहुंचे, लेकिन उन्होंने हमीदिया ले जाने का दबाव बनाया। टेकाम ने बताया कि जब वहां लोगों की भीड़ के सामने मैंने मीडिया में जाने की गई की बात कही, तब जाकर वे लोग मुझे एंबुलेंस में बैठाकर चिरायु अस्पताल ले जाए। यहां मुझे भर्ती कर लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

जन्माष्टमी पर भी कोरोना का ग्रहण, पहली बार नंदलाला के जन्म पर सुनी रहेगी ब्रज की गलियां

नेशनल डेस्क। ब्रज सहित समूचे देश और विदेश में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व 12 अगस्त को मनाया जाएगा, वहीं नन्दगांव में एकदिन पूर्व इसका आयोजन किया जाएगा जहां पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान कृष्ण का बचपन व्यतीत हुआ था। ब्रज के मंदिरों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाए जाने के बावजूद कोरोना वायरस संकट के चलते इसे इस बार सार्वजनिक रूप नहीं दिया जाएगा। न ही इस अवसर पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान आदि मंदिरों में भक्तों को विशेष प्रसाद का वितरण किया जाएगा। नन्दगांव में सैकड़ों वर्षों से चली आ रही 'खुशी के लड्डू बांटे जाने की परम्परा भी नहीं निभाई जाएगी। भाद्रपद मास की अष्टमी तिथि को कृष्ण जन्मोपलक्ष्य में जन्माष्टमी पर्व मनाया जाता है। विद्वानों के अनुसार वैष्णवों द्वारा परम्परानुसार भाद्रपद मास की अष्टमी तिथि में सूर्यादय होने के अनुसार ही जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाता है, लेकिन नन्दगांव में इसके उलट श्रावण मास की पूर्णमासी के दिन से आठवें दिन ही जन्माष्टमी मनाने की प्रथा चली आ रही है। ब्रज के सभी मंदिरों में उत्सव की तैयारी शुरू हो गई है और मंदिरों को सजाया-संवारा जा रहा है। श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि श्री कृष्ण जन्मस्थान पर जन्माष्टमी 12 अगस्त को मनाई जाएगी। इधर, ठा. द्वारिकाधीश मंदिर, वृन्दावन के ठा. बांकेबिहारी मंदिर में भी कृष्ण जन्माष्टमी पर्व 12 अगस्त को ही मनाया जाएगा। ऐसी जानकारी मंदिरों के मीडिया प्रभारी और प्रबंधकों ने दी है। जनपद मुख्यालय से करीब 55 किमी दूर नन्दगांव में छह सौ फुट ऊंची नन्दीश्वर पहाड़ी पर स्थित नन्दबाबा मंदिर के सेवायत मुकेश गोस्वामी ने बताया कि नन्दगांव में श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व 11 अगस्त को परम्परा अनुरूप मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूर्णिमा से ही कृष्ण जन्म की बधाइयों का दौर शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के नियमानुसार मंदिर में सेवायतों को छोड़कर स्थानीय एवं बाहरी श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

छह महीने पहले हुई घटना से ले लेते सीख तो नहीं होते बोइंग 737 विमान के टुकड़े

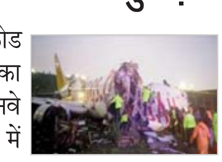

नेशनल डेस्क। केरल के कोझिकोड में शुक्रवार रात एयर इंडिया एक्सप्रेस का बोइंग 737-800 विमान जिस प्रकार रनवे पार कर खाई में जा गिरा, यह छह महीने में इस विमान का इस तरह का दूसरा हादसा है। तुर्की के इस्ताम्बुल में 05 फरवरी को पेगासस एयरलाइंस का बोइंग 737-800 विमान भी इसी प्रकार दुर्घटना का शिकार हो गया था। दोनों दुर्घटनाओं में बहुत कुछ समान है और यदि उस हादसे से सीख ली गई होती तो संभवतः कोझिकोड के हादसे को टाला जा सकता था। वहां भी खराब मौसम के बीच विमान रनवे पर उतरा और रनवे पार कर 30 मीटर नीचे जा गिरा। उस दुर्घटना में भी विमान के टुकड़े हो गये थे और तीन यात्रियों की मौत हो गई थी। एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान दुबई से भारतीय नागरिकों को लेकर कोझिकोड पहुँचा था और लैंडिंग के वक्त रनवे पार कर 35 मीटर नीचे जा गिरा। विमान में चालक दल के छह सदस्यों समेत 190 यात्री सवार थे जिनमें दोनों पायलट सहित अब तक 18 की मौत हो चुकी है और एक सौ से अधिक लोगों का विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है। यह विमान करीब 14 साल पुराना था। इस्ताम्बुल हवाई अड्डे पर हुए हादसे में विमान 11 साल पुराना था। यह उड़ान तुर्की के ही अजमीर अदन मेंदेरेस हवाई अड्डे से इस्ताम्बुल आई थी। लगातार दिशा बदल रही तेज हवाओं के बीच पायलट ने विमान को रनवे पर उतारा, लेकिन उसकी दिशा हवा के साथ होने के कारण विमान की गति अपेक्षित रूप से कम नहीं हुई। विमान तीन किलोमीटर रनवे पार कर दीवार तोड़ता हुआ 30 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। गिरने के बाद विमान दो टुकड़ों में बँट गया। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई। विमान के अलावा दोनों हादसों में मौसम की परिस्थितियाँ और रनवे की लंबाई लगभग एक समान थी। दोनों ही मामलों में रनवे के आगे खाई थी। बहुत हद तक संभव है कि दोनों मामलों में दुर्घटना का कारण एक सा ही रहा हो।

पुंछ में पाकिस्तान की ओर से की गई गोलाबारी में एक व्यक्ति की मौत

जम्मू। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास स्थित गांवों में पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी और मोर्टार के गोले दागने से 65 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना हमले का मुंहतोड़ जवाब दे रही है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार देर रात मेंढर तहसील के मनकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास स्थित गांवों में बड़ी संख्या में मोर्टार के गोले दागे गए जिसमें मोहम्मद सादिक नामक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि रात करीब पौने नौ बजे पुंछ के कृष्णा घाटी सेक्टर में पाकिस्तानी सेना की ओर से बिना उकसावे के गोलाबारी की गई। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना इसका माकूल जवाब दे रही है। एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार की सुबह भी गोलाबारी की घटना हुई थी। पिछले कई दिनों से पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर बिना उकसावे के गोलाबारी कर रहा है।

एमपी वाकई अजब है, किसान ने नेशनल हाईवे पर ही उगा डाली सोयाबीन की फसल

बैतूल। आपने सुना होगा एम अजब है और यहां के किस्से गजब है इस बात को सच साबित करती नेशनल हाईवे के बीचों बीच की ये तस्वीरें हैं। जहां हाईवे के बीचोबीच सोयाबीन की खेती देखने को मिल रही है। हैरान कर देने वाला ये मामला मध्य प्रदेश बैतूल जिले का है जहां एक किसान ने ह्मद्ब के बैतूल-भोपाल नेशनल हाईवे पर बने डिवाइडर पर सोयाबीन की फसल ही उगा दी। खास बात यह है कि मामला सामने आने के बाद से नेशनल हाईवे ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया और स्थानीय प्रशासन हैरान है।दरअसल एनएचएआई द्वारा बैतूल से ओबेदुल्लागंज तक लगभग 160 किलोमीटर फोरलेन सड़क का निर्माण किया जा रहा है। बैतूल के नज़दीक जिस सड़क के बीच फसल लगी हुई है उस जगह सड़क निर्माण कंपनी का काम लगभग पूरा हो गया है और दोनों तरफ सड़कों पर आवागमन शुरू भी हो चुका है। इस पर किसान ने फसल की बोनी कर दी है अचरज की बात तो यह है कि बोई गई फसल अब सड़क के बीच लहलहा रही है और जिसमें फूल भी आ चुके और जल्द ही फल्ली भी लग जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुशांत केस में रिया चक्रवर्ती ने हायर किया देश का नामी वकील, दे रही हैं इतनी मोटी फीस

कहावत है कि जब इंसान को अपना भविष्य खतरे में लगता है, तो वह खुद को बचाने के लिए सबसे सुरक्षित उपाय ढूंढता है. शायद ऐसा ही आभास एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) को भी हो गया है. गौरतलब है कि सुशांत सिंह राजपूत (Sushant Singh Rajpoot) के पिता केके सिंह ने मंगलवार को रिया के खिलाफ केस दर्ज करवाया था. अब शायद इस केस में रिया पर शिकंजा कसना तय माना जा रहा है. तभी रिया केस में खुद को बचाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं. रिया ने अपने केस के लिए देश के जाने-माने और महंगे वकील को हायर किया है. देश के मशहूर वकील सतीशमाने शिंदे रिया का केस संभाल रहे हैं. सतीश बॉलीवुड एक्टर सलमान खान और संजय दत्त का केस भी हैंडल कर चुके हैं.

सुशांत के पिता ने रिया पर सुशांत से धोखाधड़ी, परिवार से न मिलने के लिए फोर्स करना, परिवार की जानकारी के बिना ड्रिपेशन का इलाज कराना ,पैसे ऐंठना जैसे गंभीर इल्जाम लगाए हैं. सुशांत की मौत की जांच में नया मोड़ आ चुका है. जब से सुशांत के पिता ने रिया चक्रवर्ती के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज करवाया है. उनका आरोप है कि रिया ने ही सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाया था. रिया के वकील सतीशमाने शिंदे को सलमान खान के 1998 के ब्लैकबक और संजय दत्त के 1993 के मुंबई ब्लास्ट केस के वकील रहे हैं. सलमान खान को ड्रिंक एंड ड्राइव केस में जमानत भी सतीश ने ही दिलाई थी. सतीश देश के जाने-माने और महंगे वकीलों में से एक हैं. 2010 के रिकॉर्ड के अनुसार सतीश की एक दिन की फीस 10 लाख रुपये है, उनकी उम्र 50 साल है, वह महंगी गाड़ियों के शौकीन हैं. गौरतलब है कि पालघर लिंचिग केस भी सतीश ही देख रहे हैं.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिया की अंतरिम जमानत के लिए शिंदे ने मंगलवार को ही पेपर्स साइन कर दिए थे, क्योंकि सतीश की जूनियर वकील आनंदिनी फर्नांडिस को रिया के घर के बाहर देखा गया था. रिया के पिता ने 7 पेज की स्नङ्कक्रमें सुशांत के खाते से 15 करोड़ रुपये ट्रांसफर होने की बात भी लिखी है. उन्होंने लिखा है कि रिया और उनके परिवार ने जानबूझकर सुशांत को मानसिक रूप से बीमार दिखाने की कोशिश की थी. ऐसा माना जा रहा है कि सुशांत की फैमिली जल्द से जल्द इस केस में रिया को अरेस्ट करवाना चाहती है.

सुशांत के केस की बात की जाए तो बीजेपी नेता सुब्रम्यम स्वामी और इशकरन सिंह भंडारी भी केस की सही जांच के लिए सपोर्ट कर रहे हैं. बिहार के भी कुछ राजनेता भी सपोर्ट कर रहे हैं, इसके अलावा पश्चिम बंगाल से रूपा गांगुली भी केस की सीबीआई जांच की मांग कर चुकी हैं. क्रिकेटर मनोज तिवारी, मीरा चोपड़ा, अक्षय खन्ना, शेखर सुमन और भी कई सेलेब्स ने सुशांत के केस में निष्पक्ष जांच होने की मांग की है.

Sushant Suicide Case: मुंबई में एक्शन में आई बिहार पुलिस की टीम

बिहार पुलिस आज सुशांत सिंह राजपूत (Sushant Singh Rajput) की गर्लफ्रेंड रह चुकीं अंकिता लोखंडे का बयान ले सकती है.

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत (Sushant Singh Rajput) के सुसाइड मामले में परिवार द्वारा पटना में मंगलवार को बॉलीवुड एक्ट्रेस व सुशांत की दोस्त रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) पर एफआईआर दर्ज कराया गया, जिसके बाद बिहार पुलिस की एक टीम मुंबई पहुंचकर इस मामले जांच में जुट गई.

बिहार पुलिस ने बुधवार को अपनी जांच 'विधिवत तौर' पर शुरू कर दी है. सुबह के करीब 3 घंटे अंधेरी के क्राइम ब्रांच के ऑफिस में बिताने के बाद पुलिस अंधेरी के ही वर्सोवा इलाके में पर्ल हाइट्स नाम की बिल्डिंग में पहुंची. यहां पर सुशांत सिंह राजपूत के एक नौकर से करीब 2 घंटे पूछताछ की गई है. इसके बाद 4 पुलिस कर्मियों की ये टीम गोरेगांव इलाके में जाती है. यहां पर एक इंस्पेक्टर और एक सब इंस्पेक्टर लेवल के बिहार पुलिस के अधिकारी अज्ञात जगह पर सुशांत सिंह राजपूत की बहन मीतू सिंह का करीब 4 घंटे बयान दर्ज करती है.

सूत्रों के मुताबिक सुशांत सिंह के नौकर और उनकी बहन मीतू सिंह ने पुलिस को इस केस से जुड़ी जो जानकारी दी है वो बेहद गंभीर और सनसनीखेज है. सबसे ताज्जुब वाली बात ये है कि पिछले डेढ़ महीने की अपनी इंवेस्टिगेशन में मुंबई पुलिस भी इस जानकारी को नहीं निकलवा सकी. आज बिहार पुलिस सुशांत सिंह की गर्लफ्रेंड रह चुकीं अंकिता लोखंडे जो आज भी सुशांत सिंह के परिवार के बेहद करीब हैं, का बयान ले सकती है. साथ ही आज बिहार पुलिस सुशांत सिंह के बैंक में जाकर वहां से पूरा फाइनेंशियल डेटा और सुशांत सिंह के सीए का स्टेटमेंट ले भी सकती है.

'नागिन 5' में दिखेगा हिना खान का जलवा, इस दिन से शुरू करेंगी शूटिंग

कलर्स चैनल पर प्रसारित होने वाले शो 'नागिन' के सभी सीजन काफी लोकप्रिय हैं. दर्शक ने हर बार इस शो को भरपूर प्यार दिया है. अब नागिन' का 5वां सीजन जल्द ही शुरू होने वाला है. इस शो हिना खान (Hina Khan) और सुरभि चंदना को नागिन के अवतार में देखने के लिए दर्शक बड़ी बेताबी से इंतजार कर रहे हैं. हिना खान गुरुवार यानी 30 जुलाई से 'नागिन 5' की शूटिंग करेंगी.

हिना खान के साथ टीवी के मशहूर एक्टर मोहित मल्होत्रा और धीरज धूपर महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे. आपको बता दें, हिना कुछ एपिसोड का हिस्सा होंगी. अभिनेत्री इस बारे में बहुत हैरान है क्योंकि वह पहले भी फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनना चाहती थीं, लेकिन डेट्स की परेशानी के कारण ऐसा नहीं कर सकीं.

हाल ही में 'नागिन 4' के फिनाले के लिए सुरभि ज्योति, अदा खान को शूट करने के बुलाया गया है, जो निश्चित रूप से फिनाले को जबरदस्त बनाने में मदद करेगा. निया शर्मा और विजयेंद्र कुमेरिया 'नागिन 4' भी इस फिनाले का हिस्सा होंगे. 'बिग बॉस 13' फेम रश्मि देसाई ने हाल ही में इस शो को ज्वाइन किया है.

दीपिका पर टीम कंगना का आरोप- 'शादी में दो टॉप स्टार्स को छोड़ पाक एजेंट को बुलाया'

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत (Sushant Singh Rajput) की मौत के बाद से कई इंडस्ट्री में बहुत से मुद्दों पर बहस चल रही है. एक ओर नेपोटिज्म और बाहरी लोगों को लेकर विवाद चल रहा है तो दूसरी ओर सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया द्वारा सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाने के खिलाफ सुशांत की फैमिली ने एफआईआर दर्ज करा दी है.

सुशांत की मौत की वजहों में डिप्रेशन भी एक वजह माना जा रहा है और इस कारण बॉलीवुड में मेंटल हेल्थ का मुद्दा भी चर्चा का विषय बना रहा है. एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण (Deepika Padukone) ने भी सुशांत के निधन के बाद एक ट्वीट शेयर किया था जो मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ था. इसी को लेकर हाल ही में कंगना रनौत ने अब दीपिका पर निशाना साधा है. कंगना की टीम ने एक ट्वीट शेयर करते हुए दीपिका पर सुशांत सिंह राजपूत को बॉयकॉट करने का आरोप लगाया है.

इस ट्वीट के साथ ही एक आर्टिकल भी शेयर किया गया है जिसकी तस्वीर में दीपिका के साथ एक शख्स मौजूद है. यह दीपिका की वेडिंग रिस्पेशन पार्टी की फोटो है. कंगना की टीम ने इस ट्वीट में कहा है कि 'ये एक तस्वीर और आर्टिकल है दीपिका और रणवीर सिंह की शादी का, उन्होंने अपनी शादी में पाकिस्तानी एजेंट को बुलाया और जेएनयू प्रोटेस्ट की साजिश रची लेकिन उन्होंने इस शादी में दो टॉप स्टार्स को बॉयकॉट किया जिसमें से एक का मर्डर हो चुका है और दूसरी अपनी जिंदगी के लिए संघर्ष कर रही है.' टीम कंगना ने इस आर्टिकल का हवाला देते हुए कहा कि सुशांत सिंह राजपूत और कंगना रनौत जैसे स्टार्स के दीपिका से अपने मतभेद थे जिसके चलते उन्होंने अपनी शादी में इन दो टॉप स्टार्स को नहीं इनवाइट किया लेकिन पाकिस्तानी एजेंट को बुलाया और वह जेएनयू के प्रोटेस्ट में भी गई.

गौरतलब है कि सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से ही कंगना बॉलीवुड की हस्तियों पर निशाना साध रही हैं. सुशांत के पिता के के सिंह द्वारा सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती पर एफआईआर दर्ज करने के बाद केस में एक नया मोड़ आ गया है. रिया पर आरोप है कि सुशांत के पैसे हड़पना चाहती थीं और रिया की हरकतों के चलते ही सुशांत सुसाइड करने को मजबूर हुए. कंगना ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि मूवी माफिया ने सुशांत को साल 2019 में बॉयकॉट किया जिसके चलते वह अपना शानदार करियर छोड़कर केरल में खेती करना चाहता था.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वापी केमिकल फैक्ट्री धधकी

दूर तक फैलीं आग की लपटें और धुएं के गुबार

वापी। गुजरात के वापी में जीआईडीसी की एक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई।

फैक्ट्री में केमिकल जलने के कारण उससे विषैला

धुआं निकला और काले रंग के गुबार उठने लगे। इलाके में काफी दूर तलक दुर्गंध फैलने लगी। जिसके चलते पुरे इलाके को खाली कराया जाने लगा।

अग्निकांड पर काबू पाने के लिए दमकल की आसपास के सभी गाड़ी फायर टेंडर मौके पर पहुच कर आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे थे और अन्य दमकल के और वाहन भी बुलाए गई,

इस हादसे के समय इस फैक्ट्री में कितने लोग थे, यह अभी पता नहीं चल सका है।

फायर ब्रिगेड की टीमें आग बुझाने में जुटी हुई हैं।आग लगने के कारणों का भी अभी कुछ पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों को वहां से हटाया जा रहा है।

मालूम हो कि, गुजरात में केमिकल फैक्ट्री में आग के हादसे लगातार हो रहे हैं।

कोरोना महामारी के दिनों में ही एक दर्जन से ज्यादा

महिला सशक्तीकरण पखवाड़ा समारोह -2020

अभयम महिला हेल्पलाइन महिला स्वच्छता जागरूकता दिवस समारोह वेबिनार के माध्यम से मनाया गया

भावनगर में स्क्रीनिंग गहन करने के साथ बढ़ाई जाएगी टेस्टिंग की संख्याः मुख्यमंत्री

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नि. तिनभाई पटेल ने शनिवार को भावनगर में जिला प्रशासन के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर शहर और जिले में कोरोना संक्रमण और उसके नियंत्रण के संदर्भ में समग्र स्थिति का आंकलन किया और स्थानीय प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के बाद मीडिया के साथ वार्तालाप में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कोरोना संक्रमण की रोकथाम और संक्रमितों की उपचार सेवा में राज्य में पहला केस दर्ज हुआ तभी से पूरी ताकत के साथ कार्यरत है। उन्होंने कहा कि लग. भग पांच महीने से प्रतिदिन शाम मुख्यमंत्री आवास पर होने वाली हाई पावर्ड कोर ग्रुप की मीटिंग में कोरोना को लेकर विभिन्न निर्णय लेकर उसे लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि सप्ताह में कम से कम दो जिलों का दौरा कर कोरोना के संदर्भ में वहां के हालात का जायजा लेकर समीक्षा करने के बाद स्थानीय प्रशासन और जन प्रतिनिधियों के साथ परामर्श किया जाए। रूपाणी ने कहा कि राज्य में कोरोना संक्रमण की स्थिति कुल मिलाकर नियंत्रण में है। कोरोना के मरीजों के लिए इंजेक्शन भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि देश में आयात किए जाने वाले इन इंजेक्शनों के कुल आयात का 55 फीसदी आयात अकेले गुजरात कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में कोरोना टेस्टिंग की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। राज्य में प्रति दस लाख की आबादी पर 400 परीक्षण हो रहे हैं जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की अनुशंसा से भी अधिक है। वर्तमान में राज्य में प्रतिदिन तकरीबन 25 हजार टेस्ट किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कोरोना से निपटने के लिए कार्य योजना बनाने का सुझाव दिया जिसके अंतर्गत भावनगर शहर में धन्वंतरि रथ के जरिए घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जाकर लोगों की स्वास्थ्य जांच करने तथा रथ के मार्फत नियत समय और नियत स्थल पर लगातार 15 दिनों तक लोगों की जांच होती रहे ।

किसी भी तरह के हालात से निपटने में सक्षम है राज्य सरकारः मुख्यमंत्री

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नि. तिनभाई पटेल ने शनिवार को जामनगर का दौरा कर शहर एवं जिले में कोरोना के हालात की जानकारी हासिल कर मामले की समीक्षा।

मुख्यमंत्री ने कलक्टर कार्यालय में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और मीडिया के साथ सिलसिलेवार बैठक कर कोरोना से संबंधित तमाम मामलों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि पिछले करीब पांच महीने से राज्य सरकार का पूरा फोकस कोरोना को नियंत्रित करने में केंद्रित है और इसके लिए जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर स्वास्थ्य विभाग की ओर से आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

रूपाणी ने किसी भी तरह की गंभीर परिस्थिति का सामना करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि सरकार हालात से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम है। उन्होंने कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए जनसहयोग एवं जनजागरूकता की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि राज्य सरकार कोरोना पर नियंत्रण और उपचार के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

'सरकार का पूरा ध्यान कोरोना को काबू करने में, प्रतिदिन 30 हजार टेस्ट करने की स्वास्थ्य विभाग की तैयारी'

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना टेस्ट को लेकर विश्व स्वास्थ्य संग. ठन (डब्ल्यूएचओ) के दिशानिर्देश से भी अधिक टेस्ट गुजरात में हो रहे हैं। फिलहाल राज्य में प्रतिदिन 26 हजार टेस्ट हो रहे हैं जिसे बढ़ाकर 30 हजार टेस्ट प्रतिदिन करने की मंशा है। उन्होंने जामनगर जिले में कोरोना की स्थिति में जिला प्रशासन की भूमिका पर संतोष व्यक्त करते हुए हालात पर पैनी नजर बनाए रखने और जामनगर जिले में प्रतिदिन 1200 टेस्ट करने, धन्वंतरि रथ की संख्या बढ़ाने तथा टोसिलिजुमैब इंजेक्शन का स्टॉक बढ़ाने के लिए स्थल पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने राज्य के मुख्य शहरों की कोरोना संबंधित स्थिति की तुलनात्मक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि प्राइवेट हॉस्पिटलों को कोविड हॉस्पिटल में बदलने और चलते–फिरते

धन्वंतरि रथ के जरिए का. `रोना को नियंत्रित करने के राज्य सरकार के कार्य को सुप्रीम कोर्ट ने भी सराहा है। उन्होंने कहा कि राज्य का रिकवरी रेट 75 फीसदी, मृत्यु दर 3.5 फीसदी और पॉजिटि. विटी की दर 8 फीसदी है,

जिसमें समय के साथ सुधार लाने को राज्य सरकार कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अहमद. ाबाद के हॉस्पिटल में हुई आग दुर्घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए राज्य के सभी हॉस्पिटलों में फायर सेफ्टी के नियमों की पालना, इलेक्ट्रिक संबंधित जरूरी कार्यों को तत्काल पूरा कराने और कोविड हॉस्पिटल में सरकारी नियमों की पालना कराने जिला कलक्टरों और मनपा आयुक्तों को निर्देश दे दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि अंतर–जिला सीमा पर चिकित्सा जांच कराने और जरूरत पड़ने पर स्थल पर ही कोरोना संबंधित तत्काल उपचार मुहैया कराने के निर्देश भी दिए गए हैं।

समीक्षा बैठक में कैबिनेट मंत्री आर.सी. फल्दु, राज्य मंत्री धर्मेंद्रसिंह जाडेजा, सांसद पूनमबेन माडम, विधायक राघवजीभाई पटेल, महापौर हसमुखभाई जेठवा, उप महापौर करसनभाई करमुर, मनपा स्थाई समिति के चेयरमैन सुभाष जोषी, जिला भाजपा अध्यक्ष चंद्रेशभाई पटेल और शहर भाजपा अध्यक्ष हसमुखभाई हिंडोचा उप. स्थित थे। राज्य के मुख्य सचिव अनिल मुकीम, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन और स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव डॉ. जयंती रवि भी दौरे में शामिल थे।

बैठक में जामनगर जिले के लिए कोरोना उपचार और संक्रमण की रोकथाम एवं मार्गदर्शन के लिए नियुक्त अतिरिक्त मुख्य सचिव (पंचायत) ए.के. राकेश, जिला कल. क्टर रविशंकर और मनपा आयुक्त सतीश पटेल भी उपस्थित थे।

गुजरात में 70000 के करीब पहुंचा कोरोना का आंकड़ा, 1101 नए केस

अहमदाबाद , गुजरात में कोरोना के मामले थमने के बजाए तेजी से बढ़ रहे हैं। 24 घंटों 1101 नए केसों के साथ राज्य में कोरोना आंकड़ा 70000 से करीब पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में 1135 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है, वहीं 23 मरीजों की मौत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में दिन प्रति दिन टेस्टिंग बढ़ाया जा रहा है।

आज राज्य में 26272 टेस्ट किए गए, जिसमें 1101 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आएद्य पिछले 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 182, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 139, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 92, राजकोट कॉर्पोरेशन में 68, सूरत में 44, जामनगर कॉर्पोरेशन में 41, अमरेली में 33, पंचमहल में 31, मेहसाणा में 30, भावनगर कॉर्पोरेशन में 28, दाहोद में 27, गिर सोमनाथ में 26, राजकोट में 25, कच्छ में 22, सुरेन्द्रनगर में 21, वडोदरा में 21, गांधीनगर में 20, मोरबी में 20, अहमदाबाद में 19, भावनगर में 19, पाटन में 19, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन 17, वलसाड में 17, जूनागढ़ में 15, जामनगर में 13, भरुच में 11, नर्मदा में 11, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 10, खेडा में 10, आणंद में 9, बोटाद में 9, महीसागर में 9, छोटाउदेपुर में 8, साबरकांठा में 8, नवसारी में 7, बनासकांठा में 5, पोरबंदर में 5, देवभूमि द्वारका में 4, अरवल्ली में 3, तापी में 2 और डांग में 1 समेत कुल 1101 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए है।

जबकि 1135 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गयाद्य इस दौरान सूरत शहर और जिले में 10, अहमदाबाद शहर में 5, जूनागढ़ जिले में 2, कच्छ में 2, वडोदरा शहर में 2, अमरेली में 1 और गांधीनगर शहर में 1 समेत कुल 23 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक कुल 956645 टेस्ट किए गए, जिसमें 69986 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुएद्य कुल 69986 मामलों में 14530 सक्रिय मरीज हैं,

जिसमें 14448 की हालत स्थिर है और 82 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। जबकि 2629 मरीजों की कोरोना से अब तक मौत हो चुकी है और 52827 लोग कोरोना को मात देकर होकर स्वस्थ हो चुके हैं।

राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में 480509 लोगों को कोरन्टाइन किया गया है। जिसमें 479126 होम कोरन्टाइन और 1383 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन किया गया हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)